



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 34] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 23, 1980 (भाद्रपद 1, 1902)  
No. 34] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 23, 1980 (BHADRA 1, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक जुलाई 1980

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 जुलाई 1980

सं० ए० 32016/4/80 प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस कार्यालय के स्थायी सम्पदा पर्यवेक्षक श्री आर० पी० मिह को 15-7-1980 से तीन मास की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, रु० 650-30 740-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सम्पदा प्रबन्धक तथा बैठक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन,  
अवर सचिव,  
कृते सचिव

सं० ए० 32014/1/80-प्रशा० --रक्षा मंत्रालय नई दिल्ली में भूतपूर्व रक्षा राज्य मंत्री के अतिरिक्त निजी सचिव के पद से प्रत्यावर्तित होने के कारण संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) तथा ग्रेड 'ग' स्टेनोग्राफर के ध्यान ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री पी० पी० सिक्का को, राष्ट्रपति, द्वारा 5-7-1980 से 27-9-1980 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उम्मी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 21 जुलाई 1980

सं० ए० 19014/9/80 प्रशा०-I—ऊर्जा मंत्रालय, सिन्धु और विद्युत संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी

श्री करम चन्द को राष्ट्रपति द्वारा 4 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 29 जुलाई 1980

सं० ए० 38013/9/79 प्रशासन III—संघ लोक सेवा आयोग के स्थायी सहायक तथा अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री एस० आर० खन्ना को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 33/12/73 स्था० (क), दिनांक 24-11-1978 की शर्तों के अनुसार 31-7-80 के अपराह्न से वार्षिक निवर्तन आयु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृत्ति की सहर्ष अनुमति प्रदान की गई है।

एस० बालाचन्द्रन,  
उप सचिव

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1980

सं० ए० 22012/1/80 प्रशासन-5—श्री एम० पी० सिंह, उप-विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं, प्रतिनियुक्ति पर दिनांक 30-6-1980 के अपराह्न से राष्ट्रीय वस्त्र निगम को सौंपी जाती है।

दिनांक 30 जुलाई 1980

सं० ए०-35018/15/79 प्रशासन-I—पुलिस उप महा-निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद् द्वारा श्री बीरेश्वर गांगुली, पुलिस उप-निरीक्षक, कलकत्ता को दिनांक 16 जून, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की सामान्य अपराध स्कंध, कलकत्ता शाखा में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-35018/15/79 प्रशासन-I—पुलिस उप महा-निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद् द्वारा, श्री समर कान्ति चौधरी, पुलिस उप-निरीक्षक, पश्चिम बंगाल को दिनांक 11 जून, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की सामान्य अपराध स्कंध, कलकत्ता शाखा में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 अगस्त 1980

सं० ए०-19021/7/75 प्रशासन-5—श्री बी० पी० साहा, भारतीय पुलिस सेवा (1963 छट्टीसा) ने दिनांक 23-7-80 के पूर्वाह्न में पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी०

आई० यू० (1), नई दिल्ली के पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाएं राज्य सरकार को सौंप दी गई हैं।

सं० ए०-19036/ /80 प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से निम्नलिखित निरीक्षकों को उनके नाम के सामने निर्दिष्ट तिथि से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तदर्थ आधार पर पुलिस उप अधीक्षक के रूप में प्रोन्नत करते हैं :—

नाम	प्रोन्नति की तिथि
सर्व श्री :	
पी० एस० द्विवेदी	18-6-1980 (पूर्वाह्न)
एम० पण्डीराजन	30-6-1980 (अपराह्न)
वचिस पी० थामस	30-6-1980 (पूर्वाह्न)

सं० ए०-19036/ /80 प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय, अन्वेषण ब्यूरो, एवं पुलिस महा-निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से निम्नलिखित प्रतिनियुक्त निरीक्षकों को उनके नाम के सामने निर्दिष्ट तिथि से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं :—

नाम	नियुक्ति की तिथि
सर्व श्री :	
1. एम० एल० नरसिहामूर्ति	5-6-80 (अपराह्न)
2. एम० आर० दानी	16-6-80 (अपराह्न)
3. काली दास चक्रवर्ती	27-6-80 (अपराह्न)

की० ला० ग्रीवर,  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)

नई दिल्ली-110001, दिनांक जुलाई 1980

सं० श्रो० दो० 1467/80-स्थापना—राष्ट्रपति, निम्नलिखित को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर डाक्टरी परीक्षा में ठीक पाये जाने की शर्त पर, उनके सामने दिखाई गई तिथि से नियुक्त करते हैं :—

1. डा० चन्द्रा भाल	19-6-80 (पूर्वाह्न)
2. डा० सुरेन्द्र पाल	4-7-80 (पूर्वाह्न)
3. डा० सुरेन्द्र कुमार	5-7-80 (पूर्वाह्न)
4. डा० पी० चैत्तापिन्नी	11-7-80 (पूर्वाह्न)
5. डा० (श्रीमती) ज्योत्स्नासाई नायक	12-7-80 (पूर्वाह्न)
6. डा० कोन्द्रा केसाय	14-7-80 (पूर्वाह्न)
7. डा० के० नरसिमहाराव	17-7-80 (पूर्वाह्न)
8. डा० योगेन्द्र मित्तल	19-7-80 (पूर्वाह्न)
9. डा० दिलीप पराते	22-7-80 (पूर्वाह्न)

के० आर० के० प्रसाद,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

## महानिरीक्षक का कार्यालय

## केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 28 जुलाई 1980

सं० ई०-38013/3/9/80 कार्मिक—कलकत्ता को स्थानान्तरित होने पर श्री एस० के० ताह ने 17 जून, 1980 के पूर्वान्त से के० औ० सु० ब० यूनिट एफ० बी० पी० फरक्का के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—मद्रास से स्थानान्तरित होने पर श्री सी० एल० वरदारराजा ने 30-6-80 के पूर्वान्त से के० औ० सु० ब० यूनिट, बी० आई० एल०, भिलाई के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80 कार्मिक—बड़ौदा से स्थानान्तरित होने पर श्री एस० के० अरोड़ा ने 11 जुलाई, 1980 के पूर्वान्त से के० औ० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80 कार्मिक—देवास से स्थानान्तरित होने पर श्री के० सी० शूमला ने 5 जुलाई, 1980 के अपराह्न से के० औ० सु० ब०/उ० व० प० क्षेत्र नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—मंगलौर को स्थानान्तरित होने पर श्री टी० पी० बालाकृष्णन् नाम्बियार ने 30 जून, 1980 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० ग्रुप मुख्यालय, मद्रास के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(2)/1/80-कार्मिक—फरक्का से स्थानान्तरित होने पर श्री एस० के० चटर्जी भा० पु० से० (एम० टी०-69) ने 30 जून, 1980 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट एच० एफ० सी० दुर्गापुर के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-16015(6)/1/80-कार्मिक—आई० टी० आई० रायबरेली को प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० के० कोहली ने 10 जुलाई, 1980 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० मुख्यालय नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट (भर्ती) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 31 जुलाई 1980

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—बम्बई से स्थानान्तरित होने पर श्री ए० एस० भट्टी ने 3 जुलाई, 1980 के पूर्वान्त से के० औ० सु० ब० यूनिट बी० आई० एल० भिलाई के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013 (3)/9/80-कार्मिक—नई दिल्ली में स्थानान्तरित होने पर श्री एच० बी० चतुर्वेदी ने दिनांक 27 जून 1980 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट बी० आई० एल० भिलाई के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

महानिरीक्षक, के० औ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 जुलाई 1980

शुद्धि पत्र

सं० 11/15/80 प्रशा०-I—इस कार्यालय के तारीख 17-6-1980 की समसंख्यक अधिसूचना में श्री एच० जे० सिद्धलिंगप्पा के नाम के स्थान पर श्री एच० टी० मिद्धलिंगप्पा पढ़ा जाए।

के० सी० सेठ, उप निदेशक

## भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक - महालेखापरीक्षक का कार्यालय,

नई दिल्ली-110002, दिनांक जुलाई 80

सं० 28/वा०ले०प०/25-80—अपर-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को पदोन्नत करके लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं और आदेश दिए जाने तक प्रत्येक नाम के सामने नीचे कालम 4 में लिखित कार्यालयों में नीचे कालम 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं।

क्र० सं०	अनुभाग अधिकारी (वा०) का नाम	कार्यालय जहाँ पदोन्नति से पहले कार्यरत थे	कार्यालय जहाँ पदोन्नति के बाद लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) रूप में तैनात किए गए	ले०प० (वा०) के रूप में तैनाती की तारीख
1	2	3	4	5
1.	सर्वश्री ए० जे० पंजाबी	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा०ले०प० (पश्चिमी क्षेत्र), बम्बई	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ० प० (पश्चिमी क्षेत्र) बम्बई	6-3-80

1	2	3	4	5
2. बी० एन० पाल	महालेखाकार-II, पश्चिम बंगाल कलकत्ता	निदेशक, वा० ले० प० कलकत्ता	12-3-80	
3. जी० एन० मूर्ति	महालेखाकार, उड़ीसा	महालेखाकार, उड़ीसा भुवनेश्वर	14-3-80	अपराह्न
4. एन०एन० शर्मा	महालेखाकार, हरियाणा, चंडीगढ़	महालेखाकार, हरियाणा चंडीगढ़	31-3-80	
5. गिरिराज शरण शर्मा	महालेखाकार-II, मध्य प्रदेश	महालेखाकार उड़ीसा भुवनेश्वर	10-4-80	
6. ए० नारायणन	महालेखाकार-II तमिल-नाडु	महालेखाकार उड़ीसा भुवनेश्वर	3-4-80	
7. गुरुचरण सिंह बिम्बरा	महालेखाकार, पंजाब	महालेखाकार, असम आदि गिलाग	8-4-80	
8. के० सी० आनन्दाराव	नियंत्रक-महालेखाकार परीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली	महालेखाकार, उड़ीसा भुवनेश्वर	10-4-80	
9. लक्ष्मण बल्लभ शर्मा	महालेखाकार राजस्थान जयपुर	निदेशक, वा० ले० प० (कोयला) कलकत्ता	27-3-80	
10. के० सी० सक्सेना	महालेखाकार-II उत्तर-प्रदेश, लखनऊ	निदेशक, वा० ले० प० रांची	10-4-80	
11. लक्ष्मी सिंह	निदेशक, ल० ले० प० रांची	—वही—	18-3-80	
12. के० विजयारामानुजम	महालेखाकार-II, तमिलनाडु मद्रास	निदेशक, वा० ले० प० (बै० व वा० वि०) बम्बई	26-6-80	
13. वी० अन्दिपान मिल्ले	महालेखाकार केरल	निदेशक, वा० ले० प० रांची	31-3-80	
14. वी० गणेशन	—वही—	—वही—	31-3-80	

एम० एस० श्रीवर  
उप निदेशक (वाणिज्यिक)

महालेखाकार महाराष्ट्र-I का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 23 जुलाई 1980

सं० प्रशासन-I/सामान्य आ०/डी/3/खण्ड-III/सी-I/1/5—  
महालेखाकार महाराष्ट्र-I बम्बई, श्री डब्ल्यू० वायू० भगत,  
अनुभाग अधिकारी (आडीट और एकाउन्ट्स) को दिनांक  
14 जुलाई, 1980 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में आगे आदेश होने  
तक लक्षा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त  
करते हैं।

एस० आर० मुखर्जी,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

महालेखाकार उत्तर प्रदेश का कार्यालय

इलाहाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1980

सं० प्रशा०-I/सी-7ए-105/2207—केन्द्रीय सिविल सेवा  
(अस्थायी सेवा) नियमावली 1965 के नियम 5 के सह नियम  
(1) के अधीन अधोहस्ताक्षरी ने श्री अकोलूर रहमान, लिपिक  
(व्यक्तिगत संख्या 05/5835) को इस कार्यालय के जाप० सं०  
प्रशासन प्रथम/सी०-7ए-105/1103, दिनांक 30 मई, 1980  
द्वारा नोटिस दी थी, जिसके अनुसार नोटिस प्राप्त होने की तिथि  
से एक मास की अवधि में उनकी सेवाएं समाप्त हो जायेंगी।  
उपर्युक्त नोटिस रजिस्टर्ड डाक में भेजी गई थी जो इस कार्यालय  
में वापस आ गयी।

अधोहस्ताक्षरी इस विज्ञप्ति द्वारा यह नोटिस देता है कि कथित  
श्री अकोलूर रहमान की सेवायें राजपत्र में इस विज्ञप्ति के  
प्रकाशन तिथि से एक मास की अवधि के उपरान्त समाप्त हो  
जायेंगी।

एस० जे० एस० ग्राहलूबालिया  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा,

आर्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-69, दिनांक 23 जुलाई 1980

सं० 14/80/ए/ई-I (एन्० जी०)—महानिदेशक, आर्डनेंस  
फैक्टरियां महोदय, श्री लेवांग कामजाखुप की दिनांक 20-6-80  
(पूर्वाह्न) से ओ० ई० एफ० ग्रुप मुख्यालय, कानपुर में सहायक  
स्टाफ अफसर (वर्ग "ख" राजपत्रित) के रूप में नियुक्त करते  
हैं।

दिनांक 25 जुलाई 1980

सं० 15/80/ए/ई-I (एन्० जी०)—महानिदेशक, आर्डनेंस  
फैक्टरियां महोदय, श्री मोहित कुमार मेन गुप्त, सहायक स्टाफ  
अफसर (तबर्ध) को वर्तमान रिक्ति में स्थानापन्न सहायक सहायक



स्टाफ अफसर के पद पर वरिष्ठता पर बिना प्रभावी हुए दिनांक 1-7-1980 से आगामी आदेश न होने तक प्रोन्नत करते हैं।

श्री सेन गुप्त दिनांक 1-7-80 से दो वर्ष तक, परखावधि पर रहेंगे।

दिनांक 31 जुलाई 1980

सं० 16/80/ए/ई-1 (एन० जी०)—महा निदेशक, आईनेन्स फैक्टरियां महोदय, श्री प्रतुल चन्द्र चट्टोपाध्याय, अस्थायी सहायक को दिनांक 25-7-80 से वरिष्ठता पर बिना प्रभावी हुए, स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर (वर्ग 'ख' राजपत्रित) के पद पर, आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं।

श्री चट्टोपाध्याय दिनांक 25-7-80 से दो वर्ष तक परखा-अवधि पर रहेंगे।

डी० पी० चक्रवर्ती,  
ए० डी० जी० ओ० एफ० (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, आईनेन्स  
फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 1 अगस्त 1980

सं० ई० एस० टी०-1-2 (494)/2211—आंचलिक वस्त्र आयुक्त कार्यालय, कोडम्बतूर के उप-निदेशक श्री आर० सुब्रमण्यन् निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30 अप्रैल, 1980 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये।

एम० सी० सुवर्णा,  
वस्त्र आयुक्त

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1980

सं० ए०-19018/321/77-प्रशासन (राजपत्रित)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 26 जून, 1980 का अतिक्रमण करते हुए राष्ट्रपति जी, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, बम्बई के श्री एस० एस० भोसरेकर का दिनांक 10 अप्रैल, 1980 (अपराह्न) से उप निदेशक (धातुकर्म) के पद से त्यागपत्र स्वीकार करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त,  
उपनिदेशक (प्रशा०)

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 28 जुलाई 1980

सं० ई०-11(7)—इस विभाग की दिनांक 11 जुलाई 1969 की अधिसूचना सं० ई०-11(7) में वर्ग 2 "नाइट्रेट मिश्रण" के अधीन निम्नलिखित जोड़ा जाये अर्थात् "टोडोलास्ट" प्रविशिष्ट के पश्चात् "टोबेक्स-100 तथा टोबेक्स-200" जोड़ा जाये।

सं० ई०-11(7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई 1969 के अधिसूचना सं० ई०-11(7) में;

श्रेणी-2 नाइट्रेट मिश्रण के अधीन

(i) प्रविष्टि "मोनोडक्स" में "1980" अंकों के स्थान पर "1981" अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

(ii) प्रविष्टि "पी ई-1-ए ई" में "1980" अंकों के स्थान पर "1981" अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे तथा

(iii) प्रविष्टि "पुलवेरेक्स" में "1980" अंकों के स्थान पर "1981" अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

चरणजीत लाल,  
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक जून 1980

सं० 5305-बी/ए०-1902(4-एस० सी० डी०)/78-19बी—श्री एस० सी० धिवान ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में ड्रिलर के पद से इस्तीफा देकर 21 जुलाई 1979 के पूर्वार्द्ध से कार्यभार त्याग दिया है।

बी० एस० कृष्णस्वामी,  
महानिदेशक

कलकत्ता-700016, दिनांक 1980.

सं० 5317बी/ए०-19012(4-आर० एस०)/78-19बी—

खनिज सन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) में स्थाई रूप से नियुक्ति हो जाने पर श्री रणवीर सिंह ड्रिलर ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 1-10-1977 (पूर्वार्द्ध) से अपना पद त्याग दिया है।

दिनांक 28 जुलाई 1980

सं० 5613बी/50/66/19बी—खनिज सन्वेषण निगम (मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) में प्रत्या-वर्तन के उपरान्त श्री के० एस० सुब्बा राव ने शिफ्ट बास के

पद का कार्यभार उसी क्षमता में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 24-3-1980 के पूर्वाह्न से सम्भाल लिया है।

दिनांक 31 जुलाई 1980

सं० 5681बी/ए०-19012(1-एम० पी० एस०)/78-19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री एम० पी० शर्मा ने उसी विभाग के उपरोक्त सहायक भूवैज्ञानिक के पद से 20 मार्च, 1980 के अपराह्न से त्याग-पत्र दे दिया है।

सं० 5694बी/ए०-19012 (3 एस० के० एस०)/78-19बी—कुद्रेमुख लौह-धातु कम्पनी लिमिटेड (कुद्रेमुख आईरेन ओर कम्पनी लि०) में स्थायी रूप से नियुक्ति हो जाने पर श्री एस० के० सन्याल ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक रसायनज्ञ के पद से 8-11-78 के पूर्वाह्न से इस्तीफा दे दिया है।

सं० 5703बी/ए०-19012 (मुख्य आर्टिस्ट)/80-19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के आर्टिस्ट श्री आर० एम० भट्टाचार्य को मुख्य आर्टिस्ट के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 8-5-80 के पूर्वाह्न से पवोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी  
महानिदेशक]

भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-16 दिनांक 30 जुलाई 1980

सं० 4-172/60/ईस्टे—निदेशक भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण श्री एस० के० चक्रवर्ती कार्यालय अधीक्षक को उत्तर पूर्वी क्षेत्र शिनांग में कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में 22 जुलाई 1980 से नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थोमस  
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 25 जुलाई 1980

सं० सी०-5639/724-एस० ओ० एस०(ए०)—श्री विश्वम्भर सिंह भंडार सहायक (सिले० ग्रेड) दिनांक 30-5-80 (पूर्वाह्न) से अनुसंधान एवं विकास निदेशालय भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में सहायक भंडार अधिकारी (सा०

सी० सेवा ग्रुप 'बीह') के पद पर 550-25-750-द० रो०-30 900 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

के० एल० खोसला  
मेजर जनरल  
भारत के महासर्वेक्षक  
(नियुक्ति प्राधिकारी)

देहरादून, दिनांक 2 अगस्त 1980

सं० ई० 1-5645/पी० एफ० (बी० एल० शर्मा)—भारत के महासर्वेक्षक श्री बी० एल० शर्मा भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरादून जो पार्टी सं० 70 (फारेस्ट) (उ० सं०) में अधिकारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे थे को सेवा काल की अवधि समाप्त होने पर दिनांक 31 मई 1980 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सहर्ष निवृत्त करते हैं।

इकबाल सिद्दिकी  
मेजर इंजीनियर्स  
सहायक महा सर्वेक्षक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक जुलाई 1980

सं० 3/39/67-एस० दो: महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एस० बी० ओजार्कर, लेखाकार, आकाशवाणी, जलगांव को 14-4-80 (पूर्वाह्न) से 5-5-80 (पूर्वाह्न) तक तदर्थ आधार पर प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, जलगांव के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 जुलाई, 1980

सं० 29/6/76 एस०-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एस० डी० भोंसले, फार्म रेडियो रिपोर्टर, आकाशवाणी, पणजी को 4-3-80 (पूर्वाह्न) से फार्म रेडियो अधिकारी आकाशवाणी, पणजी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 29/2/80-एस०-दो—महानिदेशक आकाशवाणी, एतद्वारा श्री ए० एन० देशमुख, फार्म रेडियो रिपोर्टर, आकाशवाणी, नागपुर को 9-6-80 (पूर्वाह्न) से फार्म रेडियो अधिकारी आकाशवाणी, नागपुर के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 29/3/80-एस०-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एस० पी० महाजन, फार्म रेडियो रिपोर्टर, आकाशवाणी, परभणी को 7-6-80 (पूर्वाह्न) से फार्म रेडियो अधिकारी, आकाशवाणी, परभणी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 29/4/80-एस०-दो-महानिदेशक, आकाशवाणी, एचव्हारा श्री बी० के० शर्मा, फार्म रेडियो रिपोर्टर, आकाशवाणी, भागलपुर, को 4-3-80 (पूर्वाह्न) से फार्म रेडियो रिपोर्टर आकाशवाणी, भागलपुर के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० वी० सेषाद्री  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1980

सं० 6(21)/61-एस० एक—निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर श्री एस० बी० मुखर्जी ने 30 जून, 1980 (अपराह्न) से आकाशवाणी, कलकत्ता में कार्यक्रम निष्पादक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

एच० सी० जयाल  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय  
विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1980

सं० ए० 12025/2/80-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री गौरी शंकर मित्रा को सीनियर आर्टिस्ट के पद पर अस्थायी रूप से 30 जुलाई 1980 से अगले आवेश तक नियुक्त करते हैं।

जनक राज लिखी  
उप निदेशक (प्र०)  
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1980

सं० ए० 12025/21/79(जे० आई० पी०)/प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में तकनीकी सहायक डा० ए० बालासुब्रह्मनियन को 12 जून, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में सहायक बायोकेमिस्ट के पद पर स्थानापन्न आधार पर नियुक्त किया है।

डा० ए० बालासुब्रह्मनियन की जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में सहायक बायोकेमिस्ट के पद पर नियुक्ति के फलस्वरूप श्री पी० रंगनाथन का 12 जून, 1980 पूर्वाह्न से उसी संस्थान में तकनीकी सहायक के पद पर प्रत्यावर्तन हो गया है।

दिनांक 1 अगस्त 1980

सं० ए० 12026/12/79-एन० एम० ई० पी०/प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली के सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) डा० मनोरंजन दास को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के अधीन (कीट विज्ञान) के रूप में अपनी विदेश सेवा से लौटने के बाद 27 जून, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में केन्द्रीय समन्वय अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला  
उप निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 31 जुलाई 1980

सं० 23/6/77-इस्ट/12645—निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री बी पी० तिल्लू को अवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के अस्थायी भण्डारी श्री एम० ओ० जाकोब को स्थानापन्न रूप से सहायक भण्डारी अधिकारी के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-1000 द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 19-5-80 (पूर्वाह्न) से 28-6-80 अपराह्न तक तदर्थ रूप से उसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सी० वी० गोपालकृष्णन  
सहायक कार्मिक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

आदेश

हैदराबाद, दिनांक 12 दिसम्बर, 1979

सं० ना० ई० सं०/का० प्र० 5/अनु०/1288/वि० प० सं०/2019—1. जब श्री कादर शरीफ नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में ट्रेडमैन 'अ' के पद पर कार्य कर रहे थे, उन्होंने दिनांक 4-7-1979 से 7-8-1979 पर्यन्त अवकाश देने के लिए आवेदन किया, तथा उन्हें इसकी स्वीकृति प्रदान की गयी;

2. और जब कि उक्त श्री कादर शरीफ ने अवकाश की सम्पत्ति पर दिनांक 8-8-1979 को अपना कार्यभार नहीं सम्भाला किन्तु अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहे तथा दिनांक 10-8-1979 को निजी कार्य के आधार पर दिनांक 8-8-1979 से 7-9-1979 पर्यन्त अवकाश वृद्धि के लिये एक आवेदन प्रस्तुत किया;

3. और जब कि सक्षम प्राधिकार ने निर्णय किया कि श्री कादर शरीफ से तत्काल काम पर लौटने के लिये कहा जाय तथा शपथ सं०/का० प्र० 4/का० 5/वि० प० सं०/2254,

दिनांक 22-8-1979 को भेजकर श्री कादर शरीफ से काम पर तुरन्त सौटने के लिये, जो किसी भी स्थिति में दिनांक 31-8-1979 के पश्चात् न हो, नहीं कहा गया ;

4. और जब कि उपर्युक्त आपन सं० का० प्र० 4/का० 5/वि० प० सं०/2254, दिनांक 22-8-1979 को उनके अंतिम प्राप्त पत्रों अर्थात् :

(1) निवास सं० 17-4-187 (2) निवास सं० 17-6-663,  
याकूतपुरा, जांदगट्टा, उबीरपुर  
बल्ला बाजार, हैदराबाद हैदराबाद-500023।  
500023।

पर पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित की गई थी, जो बिना वितरित किये हुए निम्न लिखित अभिव्यक्तियों के साथ वापस की गई। जो लिफाफा निवास सं० 17-6-663, उबीरपुरा, हैदराबाद 500023, के पते पर भेजा गया था, उस पर "व्यक्ति चला गया है, सात दिन जाने पर भी नहीं मिला, अतः प्रेषक को वापस किया जाता है" लिखा था ;

और

जो लिफाफा निवास सं० 17-4-187, याकूतपुरा, जांदगट्टा, बल्ला बाजार, हैदराबाद 500023, के पते पर भेजा गया था, उस पर लिखा था "इस घर में ऐसा कोई आदमी नहीं रहता है";

5. और जब कि उक्त श्री कादर शरीफ निरंतर अनुपस्थित रहे तथा नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को अपना अता पता बताने में असमर्थ रहे ;

6. और जब कि उक्त श्री कादर शरीफ स्वेच्छा से सेवा त्यागने के दोषी रहे हैं ;

7. और जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को अपना वर्तमान अता पता सूचित किये बिना ही उनके सेवा त्यागने के कारण अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 41 और या केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) नियम 1965 के नियम 14 के अनुसार जांच करना युक्तियुक्त व व्यावहारिक नहीं है ;

8. और अब अधोहस्ताक्षरी नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 42 जिन्हें परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22(1)/68-प्र० दिनांक 3-12-1970 और या केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) नियम 1965 के नियम 19(11) के साथ संयोजित करते हुए, व इनमें प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा श्री कादर शरीफ को सेवाओं से तुरन्त प्रभाव से हटा देने का आदेश देते हैं।

(एन० कौंडलराव)  
मुख्य कार्यपालक

(1) श्री कादर शरीफ (2) श्री कादर शरीफ  
निवास सं० 17/4/187, निवास सं० 17/6/663,  
याकूतपुरा, जांदगट्टा, उबीरपुरा,  
बल्ला बाजार, हैदराबाद - 500023  
हैदराबाद-500023

भारी पानी परियोजना

बम्बई-40008, दिनांक 29 जुलाई 1980

सं० 05052/80/3321—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य अधिकारी शमसुज्जमान खान, अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी (सी) भारी पानी परियोजना (तलचर) को उसी परियोजना में एक फरवरी पूर्वाह्न, 1980 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/80 3322—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य अधिकारी श्री पूरनमल जंगिर, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक (बी) भारी पानी परियोजना (बड़ोदरा) को उसी परियोजना में एक फरवरी 1980 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/80/3323—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य-अधिकारी श्री कृष्णकुमार भगवानजी लुहार, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक (बी) भारी पानी परियोजना (बड़ोदरा) को उसी परियोजना में एक फरवरी 1980 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 जुलाई 1980

सं० 05052/80/3362—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य अधिकारी, राजस्थान परमाणु विज्ञान परियोजना के श्री भजनसिंह, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक (बी) भारी पानी परियोजना (कोटा) में स्थानापन्न सहायक वैज्ञानिक 'सा' है, को भारी पानी परियोजना (कोटा) में 1 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

आर० सा० कोटिअनकर,  
प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 29 जुलाई 1980

सं० प० ख० प्र०-1/38/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्रीमती

सविता रोड्गो को परमाणु खनिज प्रभाग में 28 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एम० बी० के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव,  
वरिष्ठ प्रशामन एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

क्रय प्रभाग

बंगलौर-560025, दिनांक 19 जून 1980

सं० 10/3(15)/80-क्रय—निदेशक, क्रय प्रभाग, अन्तरिक्ष विभाग श्री जार्ज जोसेफ को अन्तरिक्ष विभाग के क्रय प्रभाग में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 9 जून, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

एम० पी० आर० पाणिकर,  
प्रशासन अधिकारी-II  
कृते निदेशक (क्रय)

बंगलौर-560025, दिनांक 12 जून 1980

सं० 10/3(68)/75-सी० ई० जी० (सि० ई० प्र०) (एच०)  
—मुख्य अभियन्ता, सिविल इंजीनियरी प्रभाग, अन्तरिक्ष विभाग ने निम्नलिखित अधिकारियों का सेवा से त्यागपत्र उनके नामों के आगे दी गयीं तारीखों के अपराह्न से, स्वीकार कर लिया है:—

क्रम सं०	त्याग पत्र के समय नाम तथा पदनाम	दिनांक
1.	श्री बी० जी० गौरी शंकर इंजीनियर "एस० बी०"	23-2-79
2.	श्री आर० एस० सेतुरमन इंजीनियर "एस० बी०"	1-5-79

एम० पी० आर० मणिकर,  
प्रशासन अधिकारी-II

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1980

सं० ए० 31013/2/78-ई०-1—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो अधिकारियों को नागर विमानन विभाग में उप महानिदेशक के पद पर उनके नामों के सामने दी गयीं तारीख से स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

1. श्री जी० आर० कठपालिया . . . 3-5-1977
2. श्री पी० के० रामचन्द्रन . . . 23-2-1980

चित्तरंजन कुमार बत्स,  
सहायक निदेशक, प्रशासन  
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1980

सं० ए०-12025/8/76-ई०-1—राष्ट्रपति ने सर्वश्री आर० चन्ना दुरई और कुलदेव राम, वरिष्ठ तकनीकी सहायकों को नागर विमानन विभाग में दिनांक 28-6-80 से और अन्य आदेश होने तक रु० 700-40-900-३० री०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में वैज्ञानिक अधिकारी के ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर नियुक्त किया है।

चित्तरंजन कुमार बत्स,  
सहायक निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1980

सं० ए० 38013/1/80-ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर वैमानिक संचार स्टेशन, सकदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली संचार नियंत्रक का कार्यालय के श्री श्याम लाल, सहायक संचार अधिकारी ने दिनांक 30-6-80 (अपराह्न) से अपने पद का कार्य भार त्याग दिया है।

सं० ए० 39012/5/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एस० के० सेठ, संचार अधिकारी वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई एयर पोर्ट का त्याग पत्र दिनांक 6-7-80 (अपराह्न) से स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 31 जुलाई, 1980

सं० ए० 31011/1/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को दिनांक 28-2-80 से नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक/संचार नियंत्रक के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त करने की स्वीकृति दी है।

1. श्री एस० मजूमदार
2. श्री एस० बलराम
3. श्री टी० वैकटरमन
4. श्री एस० सी० मजूमदार
5. श्री के० वी० मूर्ति
6. श्री आर० एस० गोयला।

आर० एन० दास,  
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 30 जुलाई 1980

सं० 1/107-80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा अहमद उपगृह भू-केन्द्र लण्ठावाला, देहरादून के तकनीकी सहायक श्री एस० एस० गारवर को विशुद्ध तदर्थ आधार पर अल्पकालिक खाली जगहों पर 21-5-79 से 30-6-79 तक और 14-1-80 से 23-2-80 तक की अवधियों के लिए उसी केन्द्र में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/109/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा निदेशक एतद्द्वारा अहमद उपग्रह भू-केन्द्र लच्छीवाला, देहरादून के तकनीकी सहायक, श्री जी० आर० गोग्रिआ को विशुद्ध तदर्थ आधार पर अल्पकालिक खाली जगह पर 14-5-79 से 23-6-79 तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/112/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा आर्वी शाखा के तकनीकी सहायक श्री आर० कृष्णमणि को विशुद्ध तदर्थ आधार पर उसी शाखा में अल्प-कालिक खाली जगह पर 25-2-80 से 5-4-80 तक की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/295/80-स्था०—निवर्तन की आयु के हो जाने पर मुख्य कार्यालय, बम्बई के परियात लेखा अधिकारी, श्री के० के० स्वामी 31 मार्च, 1980 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

पा कि० गोविन्द नायर  
निदेशक (प्रशा०)  
हले महानिदेशक।

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 31 जुलाई 1980

सं० 16/362/80 स्थापना I—प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर श्री के० सी० गोयल, लेखा अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय की सेवायें दिनांक 3 जून, 1980 के अपराह्न से महा लेखाकार, राजस्वान, जयपुर को पुनः सौंप दी गई है।

आर० एन० महान्ति  
कुल सचिव,

संगठन और प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय

(सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क)

नई दिल्ली 8, दिनांक 19 जुलाई 1980

सं० 1/80—श्री एस० एन० शुक्ला, जो कि कर्मचारी निरीक्षण यूनिट वित्त संचालय, ध्यय विभाग, नई दिल्ली में कनिष्ठ विश्लेषक के पद पर कार्यरत थे, ने दिनांक 14 जुलाई, 1980 (दोषहर पूर्व) संगठन और प्रबन्ध सेवायें निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली में कनिष्ठ विश्लेषक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

के० जी० रामन  
निर्देशक

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक अगस्त 1980

सं० 25/80—श्री पी० के० सेन गुप्ता ने दिनांक 23-6-80 के (अपराह्न) से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली स्थित मुख्यालय से निरीक्षण अधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "क" के पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 5-7-80 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के कलकत्ता स्थित पूर्वी प्रादेशिक यूनिट में निरीक्षण अधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "क" का कार्यभार संभाल लिया।

कु० रेखी  
निरीक्षण अधिकारी

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृतलय, मध्यप्रदेश

इन्दौर-452001, दिनांक 30 जुलाई 1980

सं० 11/1980—संघ लोक सेवा आयोग के प० स० एफ० 1/2/79 आर० डी० दिनांक 28-9-1979 की अनुशंसा स्थापना आदेश सं० 86/80 (प० सं० 11(31) 6-गोप/79 दिनांक 23-6-80) के अनुसार श्री श्रीनारायण श्रीवास्तव ने दिनांक 14-7-80 के पूर्वाह्न में अधीक्षक (वस्तु अभियांत्रिकी) समूह 'ख' केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, इन्दौर के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं० 10/80—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के अधीक्षक समूह 'ख' के पद पर पवोन्नत होने पर श्री जी० सी० सिंघई, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (ख० अ०) ने केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय कार्यालय इन्दौर में 9 जुलाई 1980 के पूर्वाह्न में अधीक्षक (स्वर्ण) के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

एस० के० धर  
समाहर्ता

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई 400001, दिनांक 30 जुलाई 1980

सं० 1-टी० आर० (6)/79—राष्ट्रपति भारतीय नौवहन निगम बम्बई के कप्तान ए० अल्मेडा को प्रशिक्षण पोत "राजेन्द्र", बम्बई में तारीख 11-7-1979 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर नाटिकल अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० एस० सिंघू  
नौवहन उप महानिदेशक

कम्पनी अधिनियम, 1956 और चेतन ऊठवमसंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 28 जुलाई 1980

सं० 1416/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर चेतन ऊठवम संग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पालीरस एण्ड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 28 जुलाई 1980

सं० 2268/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पालीरस एण्ड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सन्दीमसर थकपीरटंस

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 28 जुलाई 1980

सं० 3191/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सन्दीमसर थकपीरटंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजबानी

कम्पनियों का रजिस्ट्रार

प्ररूप धार्मिक टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 अगस्त 1980

निदेश सं० के० एन० एल०/44/79-80—अतः मुझे, गो० सि० गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० प्लॉट तथा दुकान है तथा जो सिविल हस्पताल करनाल के सामने स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रष्टरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भ्रष्टरक (अन्तरकों) और भ्रष्टरिती (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे भ्रष्टरक के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विकास तथा रोमी (नाबालिग)  
माफत श्री सतपाल गम्भीर,  
निवासी 276, माडल टाऊन, करनाल

(अन्तरक)

(2) डा० मदन गोपाल विश्वबन्धु,  
पुत्र श्री माधो प्रसाद  
निवासी करनाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट तथा दुकान जोकि सिविल हस्पताल करनाल के सामने स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5252 तिथि 10-12-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 5-8-1980  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 अगस्त 1980

निदेश सं० के० एन० एल०/45/79-80—अतः मुझे,  
गो० सि० गोपाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकबा 453 कनाल 6 मरले है तथा जो  
ग्राम जुंडला, तहसील करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चद्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किया आय का बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री (1) बलराज कृष्ण कपूर, निवासी एन 1/15,  
फेंडस कालोनी, नई देहली  
(2) बलबीर कृष्ण कपूर निवासी 31 राजपुर रोड,  
देहली  
(3) बलजीत कृष्ण कपूर निवासी 244/7, अपर पैलेस,  
बंगलौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री नारायण सिंह पुत्र श्री कृष्ण सिंह  
निवासी जुंडला  
(2) श्री मुकन्द लाल पुत्र श्री लक्ष्मी राम, निवासी  
जुंडला  
(3) श्री निरमल दास पुत्र श्री मुंशी राम, निवासी  
जुंडला  
(4) श्री तथा सिंह पुत्र श्री गंडा सिंह, निवासी जुंडला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 453 कनाल 6 मरले जोकि ग्राम  
जुंडला तहसील करनाल में स्थित है तथा जिसका और अधिक  
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक  
5538 दिनांक 21-12-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 5-8-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 अगस्त 1980

निर्देश सं० के० एन० एल/46/79-80—अतः मुझे, गो० सि०

गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकबा 78 कनाल 8 मरला है तथा जो  
गांव जुन्डला तहसील, करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) बीया राम मुख्तियार

श्री रमेश चन्द्र, शीतल चन्द्र तथा मीना प्रकाश, शीला  
पुत्री श्री सी० एन० चावला,  
निवासी देहली।

(अन्तरक)

(2) सर्वेश्वरी प्रेम चन्द जिया लाल, मोहिन्दर पुत्रान  
श्री बीरबल तथा बाबू राम, ईश्वर सिंह सेवा राम  
सरी राम पुत्र श्री फूल सिंह  
गांव हथलाना, तहसील करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 78 कनाल 8 मरला जोकि गांव  
जुन्डला तहसील करनाल में स्थित है तथा जिसका और अधिक  
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल की रजिस्ट्री क्रमांक  
5622 दिनांक 27-12-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 5-8-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एस० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 अगस्त 1980

निदेश सं० टी० एस० आर०/13/79-80--अतः मुझे, गो० सि० गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक दुकान है तथा जो इस्लामाबाद तहसील थानेसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थानेसर, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री वजीर खन्द पुत्र श्री किशोरी लाल  
इस्लामाबाद निवासी तहसील थानेसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णावन्ती पत्नी श्री हरि चरण दाम,  
अनाजमण्डी इस्लामाबाद निवासी तहसील थानेसर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति एक दुकान जो कि अनाजमण्डी इस्लामाबाद तहसील थानेसर में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता थानेसर के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4639 दिनांक 24-1-1980 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 5-8-1980

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 अगस्त, 1980

निदेश सं० जे० डी० आर०/25/79-80---अतः मुझे,  
गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 84-ए माडलटाउन  
यमुनानगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जगाधरी में, पूर्वोक्त में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति का वाता, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री दीनानाथ राजन पुत्र श्री गोपी राम राजन  
मकान नं० 84-ए, माडल कोलोनी,  
यमुनानगर।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश कुमार शर्मा पुत्र श्री हरी राम शास्त्री  
मकान नं० 450बी बरवालिया गेट जगाधरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के ध्याप 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस ध्याप में  
दिया गया है।

अमुसुखी

सम्पत्ति एक मकान नं० 84-ए माडल टाउन यमुनानगर  
में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5497 तिथि 29-2-1980  
में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 5-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 अगस्त 1980

निर्देश सं० सी० एच० एल०/2/80-81—अतः मुझे,  
गो० सी० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० दोमंजिला मकान है तथा जो ग्राम खिजराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय छिछरौली  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-206 GI/80

(1) श्री सतपाल महता पुत्र  
श्री चिरंजी लाल महता  
ग्राम खिजराबाद, तहसील जगाधरी

(अन्तरक)

(2) श्री रतनलाल पुत्र श्री कल्याण राम  
निवासी ग्राम खिजराबाद, तहसील जगाधरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

संरचित एक दोमंजिला मकान जोकि ग्राम खिजराबाद में  
स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता छिछरौली  
के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 139 दिनांक 26-5-1980 में  
दर्ज है।

गो० सी० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 5-8-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री अशित कुमार घोष

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री महम्मद आलम और आधर्ष

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 25 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-II/कल०/19—यतः, मुझे  
के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सश्रम अधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 12/1 है तथा कवितार्थ सरणी में स्थित है (और  
इससे उदात्त अनुसूची में और रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-11-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का ये कथित  
नहीं किया गया है :—

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
ताम्रान से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय को बाबत उक्त, अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

जमीन का परिमाण—8 काठा 11 छटाक, 18 स्केयर  
फुट 12/1 कवितार्थ सरणी कलकत्ता।

के० सिन्हा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, कलकत्ता।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा-  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 25-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) जन फ उत्तर (इण्डिया) लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) गिल्लार अरवतन एण्ड बाम्पनी लि०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

कलकत्ता-16, दिनांक 25 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-4/कलकत्ता-16--यतः मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो नेताजी सुभाष रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,

दिनांक 30-11-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का परिमाण--1 बिघा, 10 काठा 6 छटाक 20 स्कोयर फुट 333/309 महात्मा गान्धी रोड, कलकत्ता।

के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकार,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख: 25-7-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16: दिनांक 4 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-II/कलकत्ता/19—यतः, मुझे,  
के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 75 है तथा जो हेम नरकर रोड में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-11-79  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. होमस्टेड प्राइवेट लि०

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्र चौधरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

जमीन का परिमाण 182.489 स्कोयर मिटर 75,  
हेम नरकर रोड, थाना बेलघाटा दलिल सं० 5822 तारीख  
9-11-79।

के० सिन्हा  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षक)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख: 4-7-80

मोहर:



प्रकरण आई० टी० एन० एच०—

(1) श्रीमती टफरुल्ला

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जावेदा खातून

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 4 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-II/कलकत्ता/19—यतः मुझे,  
के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 132 है तथा जो सेहनपुकर लेन में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये प्रस्तावित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और पन्नारक (पन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदक के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पशों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही प्रबल होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का परिमाण—6 काठा, 132, सेहनपुकर लेन,  
कलकत्ता, थाना मेदियाकुन, दलील सं० 5279 तारीख  
29-11-79।

के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख : 4-8-80

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1980

निर्देश सं० ए०एस०आर०/80-81/77—यतः सुझे, एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है जो एक प्रापटी फरैडस कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री आर० पी० सेठी पुत्र कृष्ण दास सेठी निवासी/50/सी फरैडस कालोनी नई रोड नं० 14 चिहाल फ़ैडस कालोनी नं० 3 अमृतसर

(अन्तरक)

(2) शुशीला रानी पत्नी नन्दलाल निवासी 3-फ़ैडस कालोनी अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 और कोई किरायेदार है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।

(4) यदि और कोई (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग (रकबा 416 2/3 स० मीटर) फ़ैडस कालोनी-3 में जैसा कि सैंड डीड नं० 2214/1 दिनांक 2-11-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 30-6-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 12 जुलाई 1980

निदेश सं० ए०एस०आर०/80-81/78—यतः मुझे  
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है जो प्रापर्टी नं० 13-ए जेल रोड, अमृतसर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन नवम्बर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बलवन्त कौर पत्नी भोला सिंह जगदीश कौर  
पत्नी गोपाल सिंह, गुरबचन सिंह पुत्र गोपाल सिंह  
प्रीतपाल पुत्र सिंह गोपाल सिंह निवासी जेल रोड,  
अमृतसर

(अन्तरक)

(2) ऊजजल सिंह पुत्र किशन सिंह नं० 360/367  
जी० टी० रोड, देहली मकान नं० 13-ए के० एच०  
नं० 96, जेल रोड, अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 पर और कोई किरायेदार है  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) यदि और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट 354 स्केयर यार्ड (नं० 13-ए) जेल रोड, पर  
जैसा कि उपरोक्त डीड नं० 2524/1 दिनांक 13-11-79  
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 15-7-1980

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जुलाई, 1980

निर्देश सं० ए०एस०आर०/80-81/79—यस: मुझे  
एम० एल० महाजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जो एक प्लॉट सुलतान विड, रोड पर स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
नवम्बर 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से ऐसे  
वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
छेत्ते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरा निहित में वास्तविक रूप से उचित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक क  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब  
की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

(1) श्री गुरदियाल सिंह, मनेनाम सिंह पुत्रान धन्ना सिंह  
निवासी गांव सुलतान सिंह राही हरबोल सिंह भाई  
(मुख्तार ग्राम)

(अन्तरक)

(2) मैसर्स एस० आर० के० टेक्सटाईल 193-वसन्त  
एवेन्यू, अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 और किरायेदार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) यदि और कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ते:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-  
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट 2030 स्क्यू० मीटर खसरा नं० 558—556  
जो० टी० रोड जलन्धर है और 5-6 क० सटोन अमृतसर पर स्थित  
है जैसा कि सेन डीड नं० 4893 दिनांक 26-11-79 रजिस्ट्री  
कार्यालय अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 9-7-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री करनैल सिंह पुत्र धनरा सिंह निवासी सुलतान बिड़ तहसील अमृतसर ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-ब(1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स एस० आर० के टेक्सटाइल्स, 193 बसन्त एवेन्यू अमृतसर ।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

3. जैसे कि ऊपर सं० 2 पर है और किरायेदार यदि कोई हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

बेंगलूर, दिनांक 9 जुलाई, 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०-80-71/80—यतः मुझे,

एन० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक प्लॉट सुलतान बिड़ रोड पर है, तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस आर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख] नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

4-206 GI/80

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट 1115 स्क्वेयर मीटर खमरा नं० 559 और 556 जी० टी० रोड (ओ० टी० सी० कारपेट के पीछे) जालन्धर, 5-6 कि०मी० स्टोन के बीच अमृतसर में जमाकि के सेलडीड नं० 4894 दिनांक 26-11-79 को रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

एन० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 9-7-1980

अर्जन रेंज, अमृतसर

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.—

1. चेयरमैन इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री नन्दन लाल भोटिका पुत्र गौरी शंकर आर/ओ० 381-ए ग्रीन एवेन्यू अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि स० 2 और कोई किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और यदि कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 10 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए.एम.आर/80-81/81—यत/ मुझे,  
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट गिरीन एवेन्यू में है, तथा जो एम० आर० अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमोची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता/अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 381-ए (1190 स्क्वेयर यार्ड) ग्रीन एवेन्यू अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री नं० 23151, दिनांक 13-11-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तकरीख : 10-7-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश सं० अमृतसर/80-81/82—यतः मुझे, एम० एल०

महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट है, जो जेल रोड पर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती बलवन्त कौर विधवा भोला सिंह, जगदीश कौर विधवा गोपाल सिंह और गुरबचन सिंह पुत्र गोपाल सिंह प्रितपाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह निवास जेल रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री कंवरजीत सिंह पुत्र श्री मुरजन सिंह निवासी चौक बाबा साहिब अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. (और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 13-ए खसरा नं० 96 जेल रोड पर अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 2794/दिनांक 9-11-79 रजिस्ट्री अधिकार अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 8-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० अमृतसर/80-81/83—यतः, मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्रापटी है, तथा जो पैरिस टाउन अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री दर्शन लाल पुत्र करतार चन्द, 2351/20 गली नं० 3, नवां कोट, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार पुत्र रिचपाल चन्द, जगदीश कुमार विनोद कुमार निवासी 3560/18 पैरिस टाउन बटाला रोड अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक बिल्डिंग प्लॉट नं० 492-493 खसरा नं० 492 और 493, पैरिस टाउन में जैसा कि सेल डीड नं० 4547 दिनांक 7-11-79 को रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में वर्णित है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 17-7-1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निवेश सं० अमृतसर/80-81/84—यतः मुझे एल० एल०

महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो 1/2 घर कटरा भाई सन्त सिंह में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राजकुमार पुत्र हरजस राज निवासी कटरा भाई सन्त सिंह अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष बापा पत्नी राधा मोहन और फूलां रानी पत्नी हरजस राज निवासी कटरा भाई सन्त सिंह अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैस। कि सं० 2 और किरायेदार शशी पाल कपूर 2. मै० चावला रैफरीजीरेशन ई० और मै० चावला ग० टाध मै० रैफरीजीरेशन (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रचल होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्रापटी कटरा भाई सन्त सिंह अमृतसर जैसे कि सेल डीड नं० 2276/I दिनांक 8/11/79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 17-7-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० अमृतसर/ बटाला/8081/89 —यतः मुझे एम०  
एल० महाजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिस की सं० भूमि, जो डेरा रोड़ बटाला पर, स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री बलवीर सिंह अमरवीर सिंह वकील पुत्र इन्द्र सिंह  
निवासी बटाला । (अन्तरक)
- (2) तरसेम लाल, हीरा लाल देवेन्द्र कुमार पुत्र  
पूरन चन्द बटाला । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है)
- (4) और कोई  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि 12 कनाल 15 अरले डेरा रोड़ बटाला पर जैसा कि  
सेल डीड नं० 5138 दिनांक 9-11-79 रजिस्ट्री अधिकारी बटाला  
में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक : 17 जुलाई 19  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० II/अमृतसर/80-81/86---यतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रतीत तत्त्व प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० कृषि भूमि है, जो गांव संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में औद्योगिक रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरनतारन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1970 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रनुरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) प्यारो विधवा अजीत सिंह निवासी बनीआ तरनतारन

(अन्तरक)

(2) श्री जसवंत सिंह कुलवन्त सिंह, बलकार सिंह पुत्र अजीत सिंह पुत्र दलीप सिंह पुत्र गंगा सिंह, मालूक सिंह जसवन्त सिंह पुत्र हरबन्स सिंह गांव भगलानी तहलीस तरनतारन

(अन्तरिती)

(3) जैसे कि सं० 2 पर और कोई किरायेदार लह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 46 करनाल 5 मरले गांव संगरूर में तहसील तरनतारन जैसा कि सेल डीड नं० 4714 दिनांक 2-11-79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तरनतारन में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सहम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 17 जुलाई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/87—यतः मुझे, एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्रापटी कटरा प्रजासे है, जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और घन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हुनी चन्द पुत्र चन्दू राम  
निवासी बाजार कठिआं, अमृतसर  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमा रानी पत्नी नन्द लाल निवासी  
कटरा परजा अमृतसर  
(अन्तरिती)

(3) जैसे कि सं० 2 और कोई किरायेदार  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) और कोई  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा मकान नं० 39917 कटरा गरवा सिंह जैसे कि सेल डीउ नं० 2212/1 दिनांक 2/11/79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 17 जुलाई 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/88—यतः मुझे एम० एल०  
महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० एक प्रापटी है, जो कटरा गरबा में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—206 GI/80

(1) श्री दुनी चन्द पुत्र चन्दू राम  
बाजार कठीआ वाला अमृतसर  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती उपारानी पत्नी नन्द लाल  
निवासी कटरा परजा अमृतसर  
(अन्तरिती)

(3) जैसे कि सं० 1,2 और कोई गिरायेदार  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है)

(4) और कोई  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/2 हिस्सा घर नं० 399/7 कटरा गरबा मली देवी वाली  
अमृतसर जैसे कि सेन जी नं० 2576/1 दिनांक 12-2-79 रजिस्ट्री  
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक 17 जुलाई 1980  
मोहर :—

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/89—यतः मुझे एम० एल०  
महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० एक प्रापटी है, जो जेल रोड पर स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1979  
को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये घट्टरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वतः सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (घट्टरकों) और घट्टरिती  
(घट्टरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घट्टरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई कि या प्राय को बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के घट्टरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किनी घन या अन्य घास्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए  
वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बमन्त कौर पत्नी मोला सिंह गुरुवचन सिंह  
पुत्र गोपाल सिंह, जगदीश कौर पत्नी गोपाल सिंह  
प्रितपाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह 12/6 जोल रोड  
अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज मैयान पत्नी अजीत सिंह निवासी 322F3  
रेलवे कालोनी देलदी हाल 13-ए जेल रोड  
अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि 1,2 पर कोई किरायेदार  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधीहस्ताक्षरी  
जानता है)

(4) और कोई  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
रिफ वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनु।ख।

एक घर 13-जे जेल रोड पर अवस्थित है जैसा कि सेत  
खंडनं० 2332/दिनांक 5-11-79 रविष्ट्रो अधिकारी कार्यालय  
में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक: 17 जुलाई 80  
मोहर :

## प्रकरण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० अमृतसर 80-81/98—यतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० एक प्रापटी है, जो जेल रोड पर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रमुख प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविसव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ।

प्रसूतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः :—

(1) श्री गुरबचन सिंह पुत्र गोपाल सिंह, जगदीश कौर पत्नी गोपाल सिंह, प्रितपाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह, बलबन्तर कौर पत्नी भगोला सिंह निवासी जेल रोड अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जयराज कौर पुत्री नरिन्द्र सिंह निवासी बी-10 जेल रोड अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 पर और कोई किराएदार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

एक घर (257.60 स्क्वेयर गज एच 13 ए जेल रोड अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 2213/1 दिनांक 2-11-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक : 17 जुलाई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 जुलाई 1980

निर्देश सं० अमृतसर/80-81/91—यतः मुझे एम० एल०

महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है]

और जिस की सं० एक प्रापटी है, जो विजय नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

(1) श्री राज कुमार कैलाश चन्द्र पुत्र बट्टी नारायण मकान नं० 156 गली नं० 4 विजय नगर अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री सुरजीत सिंह पुत्र भक्त सिंह निवासी प्लॉट नं० 8 गली नं० 4 विजय नगर अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 और कोई किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक प्रापटी जिसमें प्लॉट 513 स्कवयर गज गली नं० 4 विजय नगर में जैसा कि सैलडी नं० 4721 दिनांक 16-11-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक : 25 जुलाई 80  
मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश सं० सीएचडी/302/79-80/ —यतः मुझे,  
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 33% भाग प्लॉट नं० 136 है तथा जो  
सेक्टर-28-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेजर जनरल गरब्रह्म सिंह पदम श्री डी० एस० ओ०  
ओ० वी० ई० (रिटायर्ड) पुत्र स्वर्गीय स० हरनाम  
सिंह, 52 सेक्टर 16-ए, चण्डीगढ़।  
(अन्तरक)

2. श्री अमर नाथ कोहली पुत्र श्री हरनाम दास कोहली  
निवासी मकान नं० 58, ग्रेन मार्केट, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

33% भाग प्लॉट नं० 136, सेक्टर 28-ए, चण्डीगढ़।

(ज्यादाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता (अधिकारी चण्डीगढ़  
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1747, नवम्बर 1979  
में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15-7-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश सं० सीएचडी/300/79-80/—यतः मुखे

मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 34% भाग प्लॉट नं० 136 है तथा जो सेक्टर 28 ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मेजर जनरल गुरबकश सिंह, पदमश्री डी० एस० ओ० ओ० वी० ई० (रिटार्ड) 52, सेक्टर 16-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार कोहली पुत्र श्री हरनाम दास, निवासी 58, ग्रेन मार्केट, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

34% भाग प्लॉट नं० 136, सेक्टर 28-ए चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1745, नवम्बर 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15-7-1980

मोहर

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1980

निर्देश सं० सीएचडी/301/79-80—यतः मुझे,  
सुखदेव चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 33% भाग प्लॉट नं० 136 है तथा जो  
सेक्टर 28-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिफल अधिक है और प्रत्येक (अन्तरकों) और प्रत्येकी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के प्रत्येक के बाबत में कमी  
करने या उससे बचने में बुद्धि के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधि-  
सूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेजर जनरल गुरबखश सिंह पदम श्री डीड एस०  
ओ० ओ० वी० ई० (रिटायर्ड) पुत्र स्वर्गीय स०  
हरनाम सिंह 52, सेक्टर 16 ए, जण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री माहिन्द्र प्रताप कोहली पुत्र श्री हरनाम दास  
कोहली, 58, ग्रेन मार्केट, चण्डीगढ़।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

33% भाग प्लॉट नं० 136, सेक्टर 28 ए, चण्डीगढ़  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय  
के विलेख संख्या नं० 1746, नवम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख 15-7-1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1980

सं० सी० एच० डी०/316/79-80:—अतः मुखे सुखदेव

चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1106 है तथा जो सेक्टर 34-सी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 79, को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) चरनजीत सिंह ग्रेवाल पुत्र श्री अजैव सिंह ग्रेवाल खरड़, द्वारा उसकी स्पेशल पावर आफ अटॉरनी श्री वी० पी० पीतू सुद पुत्र श्री ठाकुर दास निवासी मकान नं० 1130, सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीत वेदी पुत्र श्री दयाल सिंह और श्रीमती शीला बन्ती पत्नी श्री इन्द्रजीत वेदी निवासी मकान नं० 9 सेक्टर 33-ए०, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय 20-ह में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्वय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1106 सेक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़ (जयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विनैख संख्या 1799, नवम्बर, 1979 में दर्ज है)।

मुख्यदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-7-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

सं० सी० एच० डी०/309/79-80:--अतः मुझे सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1596 है तथा जो  
सेक्टर 33-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर,  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथ्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

6-206GI/80

1. लैफ्टी० कर्नल एम० एल० सचदेवा पुत्र श्री मोहन  
सिंह निवासी डी० 77, कालका जी, नई दिल्ली  
द्वारा उसकी जनरल पावर अटारनी श्री अवतार  
सिंह पुत्र श्री कुन्दन सिंह, एस० सी० ओ० 7-9,  
सेक्टर 17-बी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश सिंह मुम्मन पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह द्वारा  
अटारनी कनबीर सिंह निवासी 649 सेक्टर  
33-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1596 सेक्टर 33-डी०, चण्डीगढ़  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1765, नवम्बर, 1979 में  
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 जुलाई 1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1980

सं० सी एच० डी०/304/79-80:—अतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1166 है तथा जो सेक्टर 18-सी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1979, को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. श्री सन्त राम पुत्र श्री तुलसी राम निवासी मकान नं० 304 सेक्टर 33-ए०, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. 1. श्री राम लाल कपूर पुत्र श्री ईश्वर दास कपूर  
2. श्री प्रहलाद कपूर पुत्र श्री राम लाल कपूर।  
3. श्री चन्द्र मोहन कपूर पुत्र श्री राम लाल कपूर सारे निवासी मकान नं० 1166, सेक्टर-18 सी० चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. श्री शान्ति लाल मंजाल निवासी मकान नं० 1166 सेक्टर 18-सी०, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी मकान नं० 1166 सेक्टर-18-सी०, चण्डीगढ़।  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1756, नवम्बर, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज लुधियाना,

तारीख: 15 जुलाई 1980  
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

सं० सी एच डी०/315/79-80:—अतः मुखे मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 3081 है तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है, (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 79,

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1 कैप्टन गुरकिरपाल सिंह बिल्लो, पुत्र मेजर महिन्द्र सिंह बिल्ली निवासी बी-एस/21, सफदरजग इनक्लेव, नई दिल्ली द्वारा स्पेशल पावर आफ अटॉरनी श्रीमती रमिन्द्र कौर पत्नी श्री भगत सिंह निवासी मकान नं० 102 सेक्टर 35 ए० चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2 कुमारी भूपिन्द्र कौर पुत्री स० मेहर सिंह निवासी मकान नं० 3403 सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 3081 सेक्टर 35-डी चण्डीगढ़।  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1794, नवम्बर 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15 जुलाई 1980  
मोहर:

प्रारूप ग्राहो टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

सं० सी० एच० डी०/336/79-80:—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 3024 है तथा जो सेक्टर 35-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारियों के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. एकत-कैप्टन सुरिन्दर कुमार पुत्र श्री चिरन्जी लाल निवासी मकान नं० 259, निमरी कालोनी दिल्ली 52 द्वारा उसकी स्पेशल पावर आफ अटॉरनी श्री ब्रिज मोहन हांडा पुत्र श्री सन्त राम हांडा निवासी मकान नं० 318/11-4 कुच्चा मिठरमाहावली, प्रताप बाजार, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमती शारदा हाण्डा पत्नी श्री ब्रिज मोहन हाण्डा मकान नं० 318/11-4, प्रताप बाजार, अमृतसर। (अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 3024 सेक्टर 35-डी चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के अधिकारी के कार्यालय के विलेख संख्या 1876, दिसम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 जुलाई 1980  
मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

सं० सी एच डी/339/79-80—अतः मुझे, सुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1684 है तथा जो  
सेक्टर 34-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
दिसम्बर, 79,

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री रत्न विशोर जोहरी पुत्र श्री एन० के० जोहरी  
निवासी सी-12, रामपुर गार्डन, बरेली द्वारा उसकी  
जनरल पावर ऑफ अटारनी श्रीमती सत्यवती पत्नी श्री  
शम्भू राम निवासी एस० सी० एफ० सेक्टर 23-  
सी० चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री ज्ञान चन्द वर्मा पुत्र श्री शम्भू राम निवासी  
एस० सी० एफ० 16 सेक्टर 23-सी० चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1684 सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या 1879, दिसम्बर, 1979  
में वर्णित है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 जुलाई 1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एच०

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अन्तर्गत

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

सं० सी० एच० डी०/335/79-80:—यतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1725 है तथा जो सेक्टर 33 डी०, चण्डीगढ़, में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि, यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. लेफ्टी कर्नल कमलजीत सिंह पुत्र श्री हरबन्त सिंह निवासी 22 बारा खम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती करतार कौर धालीवाल पत्नी श्री इन्द्र सिंह धालीवाल गांव धाकाबाना तुसे, तहसील जगराओ, जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को प्रत्येक या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रत्येक, जो भी प्रत्येक काव में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा उक्त स्थावर सम्पत्ति के पास लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रमाण 20 में परिभाषित है, वही प्रभाव होगा जो उस प्रमाण में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1725, सेक्टर 33 डी, चण्डीगढ़। (जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1870, नवम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15 जुलाई 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश सं० सी एच डी/328/79-80:—प्रतः मुझे सुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 512 है तथा जो  
सेक्टर 33-बी, चण्डीगढ़, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर  
79,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये ठग पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1937 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-  
सूचना में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेजर जनरल जसबीर सिंह नन्दा पुत्र श्री गोबिन्द  
सिंह नन्दा मारफत हेडक्वार्टर ईस्ट्रन कमान्ड,  
कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरुशमा पुत्री स्वर्गीय श्री वासुदेव निवासी  
1161 सेक्टर 15 बी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 512, सेक्टर 33-बी०, चण्डीगढ़।  
(जायदाद) जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1840, नवम्बर 1979 में  
दर्ज है।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15 जुलाई, 1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/325/79-80—अतः मुझे

सुखदेव प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 157 है तथा जो सेक्टर 36-ए०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. लैफ्टी कर्नल वागी कृष्ण जीत कौर पुत्री स्वर्गीय श्री जनन दास बजाज निवासी सी-311, डीफेन्स कालोनी नई दिल्ली द्वारा उसकी जनरल पावर आफ अटारनी कर्नल हरि सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री अमीर सिंह निवासी सी-311, डीफेन्स कालोनी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी स्वर्गीय श्री मोहन सिंह मकान नं० 2840 सेक्टर 37-सी०, चण्डीगढ़ द्वारा उसकी जनरल पावर आफ अटारनी श्री लाभ सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह मकान नं० 2840 सेक्टर 37 सी०, चण्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 157 सेक्टर 36-ए०, चण्डीगढ़।  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1826, नवम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15 जुलाई, 1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1980

सं० सी एच डी०/326/79-80:—प्रतः मुझे सुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिनकी प्लॉट नं० 1229 है तथा जो सेक्टर 34-सी०,  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 79,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री जसवन्त सिंह 1275,  
सेक्टर 21-बी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सोहिन्द्र प्रियतमा पत्नी श्री कुलबीर सिंह  
निवासी 42, माडल टाउन, अम्बाला शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1229, सेक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़। (जायदाद  
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के  
विलेख संख्या नं० 1831, नवम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०-----

घाबकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

राष्ट्र सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/318/79-80:--अतः मुझे  
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सत्ता प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 122 है तथा जो सेक्टर  
33-ए०, चण्डीगढ़, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख नवम्बर,  
1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. सुबेदार निरजन सिंह पुत्र श्री गणेशा कृ सिंह निवासी  
गांव धनौना डाकखाना मनेला बाया खामाणा जिला  
रोपड़ द्वारा उसकी स्पेशल पावर आफ अटारनी  
कैप्टन विनोद चौधरी निवासी मकान नं० 1277  
सेक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री अनिल चौधरी पुत्र श्री शाम लाल चौधरी  
निवासी गांव व डाकखाना राहो, तहसील नवाँशहर  
जिला जालन्धर।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सशोद्भूताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 122 सेक्टर 33-ए० चण्डीगढ़।  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1809, नवम्बर 1979  
में दर्ज है।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 जुलाई, 1980  
मोहर :

प्रारूप धारा टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निवेश सं० सी० एच० डी०/314/79-80:—अतः मुझे  
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 3373 है तथा  
जो सेक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़, में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
नवम्बर 1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जे० एन० शर्मा पुत्र श्री रूप लाल शर्मा निवासी  
मकान नं० 3277, सेक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती शशी प्रभा चौधरी पत्नी श्री ओम कुमार  
चौधरी निवासी मकान नं० 1212, सेक्टर 22-  
बी०, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 3373 सेक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1786, नवम्बर 1979 में  
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 जुलाई, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/306/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी मकान नं० 153 है तथा जो सेक्टर 27-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती तारा डुडेजा पत्नी श्री जे० एन० डुडेजा निवासी मकान नं० 155, गोल्फ लिंक, नई दिल्ली-3 द्वारा उसकी जनरल आटारनी श्री जगन्नाथ डुडेजा पुत्र स्वर्गीय श्री गुलाब राय डुडेजा, मकान नं० 155, गोल्फ लिंक नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) स० दर्शन सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह निवासी मकान नं० बी-257, नरेणा इण्डस्ट्रियल एरिया, फ़ैस-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

(3) श्री शादी लाल शर्मा निवासी मकान नं० 153, सेक्टर 27-ए चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी मकान नं० 153 सेक्टर 27-ए, चण्डीगढ़।  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1761, नवम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 जुलाई 1980  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निवेश सं० चण्डीगढ़/321/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1844 है तथा जो सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाययन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मेजर चन्द्र मोहन आनन्द पुत्र श्री टेक चन्द आनन्द निवासी 6/1, स्टाफ रोड, अम्बाला कैड।  
(अन्तरक)

(2) श्री कुलविन्द्र सिंह व श्री सिमिन्द्रजीत सिंह दोनों पुत्र श्री इन्द्रजीत सिंह सेखों व कुवारी कुलवन्तकौर पुत्री श्री स्वरूप सिंह निवासी कमनिया गेट, फरीदकोट  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1844, सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के बिलेख संख्या नं० 1822, नवम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 जुलाई 1980

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/308/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सज़म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
₹ से अधिक है

और जिस की सं० बूथ नं० 106 है तथा जो सेक्टर 28-डी, चण्डीगढ़  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
11/1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान  
प्रतिफल के लिए घटतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और घटतरक (घटतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घटतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घटतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के घटतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

(1) श्रीमती बलवीर कौर पत्नी श्री तरसेम चन्द 10,  
हैम कुन्ट, नई दिल्ली द्वारा कर्नल ठाकुर सिंह पुत्र  
श्री दयाल सिंह, 65 सेक्टर 8-ए चण्डीगढ़।  
(अन्तरक)

(2) श्री कमलदीप सिंह, श्री संदीप सिंह पुत्र श्री दलीप  
सिंह निवासी मकान नं० 3034, सेक्टर 19-डी,  
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) श्री अमर नाथ एस० सी० एफ० 121, सेक्टर 28-डी,  
चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तान्तरण  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बूथ नं० 106, सेक्टर 28-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय  
के विलेख संख्या नं० 1764, नवम्बर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 जुलाई 1980  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश सं० लुधियाना/480/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिस की सं० प्लॉट क्षेत्रफल 398 वर्ग गज है तथा जो रवी कोल्ड स्टोरेज के पीछे सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11/79 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि जा जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ब्रिज मोहन मलहोत्रा पुत्र श्री नाथू राम मलहोत्रा पुत्र श्री राम चन्द मलहोत्रा निवासी लाहौरी गेट कपुरथला अब 166, भारत नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री चमन लाल टांगरी, पुत्र श्री रत्न चन्द निवासी 49/22, हरपाल नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 398 वर्ग गज जो रवी कोल्ड स्टोरेज के पीछे, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3930, नवम्बर 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज लुधियाना

दिनांक 15 जुलाई 1980  
मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/362/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० मकान नं० 1144, है तथा जो सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12/1979

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरवन्म सिंह पुत्र श्री बहादुर सजग जोधसिंह पेंडाल मकान नं० सी 7/7, बसन्त बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवन्त दास अरोड़ा पुत्र श्री बिहारी लाल मकान नं० 1144 सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) श्री आदर्श कोहली निवासी मकान नं० 1144, सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2C-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी मकान नं० 1144 सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1948, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 जुलाई 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/320/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3316 है तथा जो सेक्टर 35-डी,  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,  
और वह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्रायः या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या इस अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—  
8—206GI/78

(1) श्री चरणदास गुप्ता पुत्र श्री धीवान चन्द, 3034/23-  
डी, चण्डीगढ़ द्वारा उसकी स्थावर पावर आफ आटारनी  
श्री चरण दास महाजन पुत्र श्री ब्रिज लाल मकान नं०  
3034, सेक्टर 23-डी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री उजागर सिंह पुत्र श्री चम्बा सिंह और श्री  
जसवन्त सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह, दोनों निवासी  
गाँव भागोमाजरा, जिला रोहड़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3316 सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1817, नवम्बर 1979 में दर्ज  
है ।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 जुलाई 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० चंडीगढ़ 341/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1729 है तथा जो सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11/12/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्ग, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) लैफ्टि० कर्नल मदन मोहन पारहती पुत्र श्री दीना नाथ पारहती निवासी सी-252, मोती बाग, नई दिल्ली ।
- (2) श्रीमती दलजीत कौर पत्नी श्री डी० एस० मरवाहा, मकान नं० 1542, सेक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपक्ष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृत्तिबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1729, सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1884, दिसम्बर 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

दिनांक : 15 जुलाई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० खरड़ 79-80 35—अतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 632 है तथा जो फेस-II, एस० ए० एस० नगर, मोहाली जिला रोपड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बलबीर कौर ग्रहलुवालिया व श्री आई० पी० ग्रहलुवालिया निवासी 2538, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री हाकम सिंह वर्मा पुत्र श्री जय सिंह प्लॉट नं० 632, फेस-II, मोहाली या

निवासी 17 हिल साईड ड्राईव किंगज हरसंद, बरगिम्भ, वेस्ट मिडलडिज बी 37-6 एन० जी०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 632, फेस-II एस० ए० एस० नगर मोहाली।  
(जायदाद जैसा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3426, नवम्बर, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 जुलाई 1980

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एन.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश सं० लुधियाना 459/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 1-0-17 बीगा है तथा जो गांव डाबा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिद्धे अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिब्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री चनन सिंह  
गांव डाबा, तहसील लुधियाना  
(अन्तरक)

(2) मैसर्स मोसवाल वूलन मिलज लिमिटेड,  
जी० टी० रोड, लुधियाना  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धरोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में बिना गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1-0-17 बीगा गांव डाबा, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3694, नवम्बर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 जुलाई 1980  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निवेश सं० लुधियाना 576/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है,

और जिस की सं० भूमि क्षेत्रफल 1-0-17 बीगा है तथा जो गांव डाबा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बलबारा सिंह पुत्र श्री चनन सिंह  
निवासी गांव डाबा, तहसील लुधियाना।  
(अन्तरक)

(2) मैसर्स प्रोसवाल बूलन मिलज लिमिटेड  
जी० टी० रोड, लुधियाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1-0-17 बीगा जो गांव डाबा, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(ज्यादाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4962, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज;

दिनांक 15 जुलाई 1980  
मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० लुधियाना/575/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० भूमि क्षेत्रफल 1बी-0बी-17बी है तथा जो गांव डाबा, तहसील ब जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परमप्रति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री चन्न सिंह  
निवासी गांव डाबा, तहसील जिला लुधियाना।  
(अन्तरक)
- (2) मैसर्स ओसवाल बूलन मिलज लिमिटेड, लुधियाना,  
जी० टी० रोड शेरपुर, लुधियाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1 बी-0 बी-17 बी जो गांव डाबा, तहसील ब जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4961, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 जुलाई 1980  
मोहर :

प्ररूप आर्क्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० लुधियाना/458/79-80—अतः मुझे मुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 1-0-17 बीघा है तथा जो गांव डाबा, तहसील ब जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11/79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दलदारा सिंह पुत्र श्री चनन सिंह,  
निवासी गांव डाबा, तहसील लुधियाना

(अन्तरक)

2. मैसर्स ओसवाल वूलन मिल्स लिमिटेड  
जी० टी० लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1-0-17 बीघा जो कि गांव डाबा, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3693, नवम्बर 1979 में दर्ज है)

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 जुलाई 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० लुधियाना/487/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० एस० सी० एफ० कोठी नं० 4-1 (कमर्शियल नं० बी-XX-1195/226 है तथा जो सराभा नगर लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11/79 को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

(1) श्री मनसा राम पुत्र श्री देवी चन्द पुत्र श्री जगत राम, 54, शक्ति नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरनाम कौर पत्नी श्री जगमोहन सिंह 26 पब्लिक पार्क, गंगानगर (राजस्थान)

(अन्तरिती)

(3) सुपरिन्टेन्डेंट कस्टम व सैन्ड्रल एक्साइज रेंज-I, II व III, लुधियाना एस० सी० एफ० 4-I, सराभा नगर, लुधियाना

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 4-I, सराभा नगर, लुधियाना

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के बिलेख संख्या नं० 4047, नवम्बर, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 जुलाई 1980

मोहर :

प्रकरण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश सं० चंडीगढ़/303/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1878 है तथा जो सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़

में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

9-206GI/80

(1) श्री कुलदीप सिंह गोड़ा पुत्र श्री लघा सिंह गोड़ा द्वारा जनरल पावर आफ अटॉरनी सं० मनोहर सिंह पुत्र श्री मोता सिंह एस० सी० ओ० 139-141 सेक्टर 17-सी, चण्डीगढ़।

(2) श्री हरवन्स सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह, श्रीमती हरदयाल कौर पत्नी श्री हरवन्स सिंह मकान नं० 2 सेक्टर 28-ए चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1878 सेक्टर 34-डी चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1752, नवम्बर, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 जुलाई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/330/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 3296 है तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिनांक 11/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(घ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती हरिन्द्र कौर पत्नी स्वर्गीय चन्दन सिंह श्रीमती कुलवीर कौर सन्धु पत्नी श्री कुलविन्द्र सिंह श्रीमती अमरजीत कौर पत्नी श्री जगमेल सिंह श्रीमती भगवन्त कौर पत्नी श्री हरसरन सिंह द्वारा जनरल पावर आफ आटारनी श्रीमती हरिन्द्र कौर पत्नी स्वर्गीय चन्दन सिंह मकान नं० 3341 सेक्टर 21-डी, चण्डीगढ़

(अन्तरक)

(2) श्री ज्वाला प्रसाद पुत्र श्री बेनी प्रसाद मादो श्रीमती लीला वत्ती पत्नी श्री ज्वाला प्रसाद, श्री नरेश कुमार पुत्र श्री ज्वाला प्रसाद निवासी मकान नं० 1069, सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

(3) 1 श्री मनजीत सिंह 2 श्री मदन लाल 3 श्री मनमोहन सिंह निवासी मकान नं० 3296 सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और उद्देश्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 3296, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1851, नवम्बर 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक : 15 जुलाई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० चंडीगढ़/342/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्व,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1747 है तथा जो सेक्टर  
34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 12/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधिर्य में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरवचन सिंह पुत्र श्री ईश्वर सिंह द्वारा  
उसकी आठारनी श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री  
गुरदेव सिंह निवासी 3264 सेक्टर 19-डी, चण्डीगढ़  
(अन्तरक)

(2) श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री छज्जा सिंह निवासी मकान  
नं० 3264, सेक्टर 19-डी चण्डीगढ़ अब मकान नं०  
1747 सेक्टर 34 डी, चण्डीगढ़  
(अन्तरिती)

(3) 1. श्री सुन्दर सिंह सेखों  
2. श्री रंजीत सिंह, दोनों की रिहायश मकान नं०  
1747, सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1747 सेक्टर 34 डी, चण्डीगढ़।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1886, दिसम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्व  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 जुलाई 1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश सं० सी० एच० डी०/313/79-80—प्रतः मुझे  
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1025 है तथा जो  
सेक्टर 37-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त प्रकरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाप या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अश्वनी कुमार वर्मा पुत्र श्री गेंदा राम वर्मा  
व श्रीमती शोभा वर्मा पत्नी अश्वनी कुमार वर्मा  
मकान नं० 1218, सेक्टर 21-बी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरक)

2. श्री मनोहर सिंह चावला पुत्र श्री हीरा सिंह निवासी  
मकान नं० 1618, सेक्टर 36-डी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित, है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1025, सेक्टर 37-बी, चण्डीगढ़।  
(जायददा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय  
के विलेख संख्या नं० 1771, नवम्बर, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द;  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक : 15-7-1980

मोहर :



प्रारूप नोटिफिकेशन नं० ए०/८०/८०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश सं० लुधियाना/485/79-80/—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 30 ए, क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज है तथा जो ऐक्सटेंशन योजना, इंडस्ट्रियल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1979।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अर्ज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राज कपूर पुत्र श्री मुकुन्द लाल पुत्र श्री अमृतसरीया मल कपूर मार्फत मैसर्स राज ब्रादर्स रामन मार्किट, लुधियाना अब फिल्ली गेट, जगराओं।

(अन्तरक)

2. मैसर्स बिन्दा इण्डस्ट्री और फैब्री वर्क्स द्वारा श्री मदन लाल निवासी 25-ए, ऐक्सटेंशन योजना इंडस्ट्रियल एरिया, (ए०) लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षरः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 30 ए, क्षेत्रफल 1000 वर्गगज जो कि ऐक्सटेंशन योजना, इंडस्ट्रियल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है। (जाय-दाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4025, नवम्बर, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15-7-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1980

निर्देश सं० एन० बी० ए०/166/79-80—अतः मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आयदाद (क्षेत्र 92 वर्गगज) है तथा जो सदर बाजार नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध, अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1979।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तैयार पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्थ में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विशन कुमार मल्होत्रा पुत्र श्री शाम जी दास मल्होत्रा निवासी 189 ए, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अछरू राम पुत्र श्री मिलखी राम निवासी पुरानी नाभी, नाभा जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

3. 1 श्री उत्तम चन्द (सराफ)

2 श्री सुरिन्द्र पाल सिंह

3 श्री रतन लाल, निवासी पुरानी नाभी, नाभा।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रिस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद क्षेत्रफल 92 वर्गगज, सदर बाजार, नाभा, (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1921, नवम्बर 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15-7-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1980

निर्देश सं० एन० बी० ए०/168/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद (क्षेत्र 265 5/9 वर्ग गज) है तथा जो पुरानी नाभी, नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विशन कुमार मल्होत्रा पुत्र श्री शामजी दास मल्होत्रा निवासी पुरानी नाभी, नाभा श्रव 189-ए राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राम गोपाल पुत्र श्री मिलखी राम निवासी पुरानी नाभी, नाभा जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री उत्तम चन्द (सराफ)

(2) श्री सुरिन्द्र पाल सिंह

(3) श्री रतन लाल, पुरानी नाभी, नाभा।

(वह व्यक्ति जिसके अधिशोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राथेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद (क्षेत्रफल 265 5/9 वर्ग गज) पुरानी नाभी, नाभा।  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1923, नवम्बर, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15-7-1980  
मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1980

निर्देश सं० एन० बी० ए०/167/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान जायदाद (क्षेत्र 51.70 वर्ग गज) है तथा जो सदर बाजार, नाभा में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री विशन कुमार मल्होत्रा पुत्र श्री शाम जी दास मल्होत्रा निवासी पुरानी नाभी, नाभा अब 189 ए, राजौरी गार्डन नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री रोशन लाल पुत्र श्री मिलखी राम पुत्र श्री छोटा राम, निवासी पुरानी नाभी, नाभा ।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री उत्तम चन्द सराफ

(2) श्री सुरिन्द्र पाल सिंह

(3) श्री रतन लाल सभी निवासी पुरानी नाभी, नाभा (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोधतावरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान जायदाद (क्षेत्रफल 51.70 वर्ग गज) सदर बाजार, नाभा । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1922, नवम्बर, 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक : 15-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1980

निर्देश सं० सी० एच० डी०/338/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जायदाद नं० 701 है तथा जो सेक्टर 22 ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—  
10—206GI/80

1. श्री लाम सिंह पुत्र श्री दया सिंह निवासी मकान नं० 701, सेक्टर 22-ए चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री कंवर सिंह पुत्र श्री दयाल सिंह निवासी मकान नं० 701, सेक्टर 22-ए चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

1. श्री वेद प्रकाश (2) श्री मिलखी राम (3) श्री नर सिंह (4) श्री सुभाष (5) श्री राजेन्द्र (6) मिस मरोज (7) श्री प्रीतम पाल (8) श्री निर्मल पाय (9) नरेन्द्र पाल (10) श्री कंवर सिंह सारे वामी 701/सेक्टर 22-ए चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 701, सेक्टर 22-ए, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में विलेख संख्या नं० 1878, नवम्बर, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक : 15-7-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० सी० एच० डे०/337/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2385 है तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रार करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम, दिनांक 11 नवम्बर, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रजिन्द्र कौर पत्नी श्री इन्द्र सिंह द्वारा जनरल आटारनी, श्री सरबन सिंह 65, सेक्टर 21-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्रीमती अजमेर कौर पत्नी श्री दौलत राम भल्ला व श्री दौलत राम भल्ला पुत्र श्री दसोधो राम मकान नं० 623 सेक्टर 7-ए चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

3. श्री हरनाम सिंह निवासी प्लॉट नं० 2385, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2385, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जसा कि रजिस्ट्रार की अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1877, नवम्बर, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक : 15-7-1980

मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अज्ञेन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1979

निदेश सं० सी० एच० डी०/373/79-80—अतः मुझे  
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1331 है तथा जो सेक्टर  
34-सी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बादिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेजर सतीश कुमार श्रीवर पुत्र श्रीमून राज निवास  
एम-23/बी० मालवाय नगर न्यू दिल्ली अथ मार्फत  
हैडक्वार्टर्स सी० डब्ल्यू० ई० जगन्धर कैट (पंजाब)।  
(अन्तरक)

2. सर्व श्री कुलदीप सिंह, जसपाल सिंह, इन्द्रजीत सिंह  
पुत्र श्री हरबन्स सिंह मकान नं० 1331 सेक्टर  
34-सी० चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञेन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि  
निवी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रास्ताजरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1331 सेक्टर 34-सी० चण्डीगढ़ (जायदाद  
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के  
विलेख सं० नं० 1990 दिसम्बर, 1979 में दर्ज  
है)

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अज्ञेन रेंज, लुधियाना।

दिनांक : 15-7-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एच०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 जुलाई, 1980

निर्देश सं० एल० डी० एच०/456/79-80/ए—अतः मुखे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसका सं० मकान नं० बी-28/3566 है तथा जो चीमा पार्क माडल ग्राम लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधि-कारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, दिनांक नवम्बर 1976। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री करतार सिंह पुत्र श्री अर्जुन सिंह श्रीमती करतार कौर पत्नी श्री करतार सिंह निवासी चीमा पार्क माडल ग्राम लुधियाना।  
(अन्तरक)

2. श्री केवल धीर पुत्र श्री हंसराज श्रीमती कान्ता धीर पत्नी श्री केवलधर निवासी बी/28/3566, चीमा पार्क, माडल ग्राम लुधियाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-28/3566 चीमा पार्क लुधियाना (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रार अधिकारी लुधियाना के कार्यालय बिलेख संख्या नं० 3666 नवम्बर 1979 में दर्श है।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक : 22-7-1980

मोहर :



प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 जुलाई 1980

निदेश सं० एल० डी० एच०/461 ए/79-80—अतः मुझे

सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-XXVIII-3566 है तथा  
जो चीमा पार्क माडल ग्राम लुधियाना में स्थित है (और  
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रार-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
नवम्बर, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकर के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिकर से ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से किये नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वापस में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री करतार सिंह सपुत्र श्री अर्जुन सिंह श्रीमती  
करतार कौर पत्नी श्री करतार सिंह निवासी बी/  
28/3566 चीमा पार्क, माडल ग्राम लुधियाना।  
(अन्तरक)

2. श्री केवल धीर सपुत्र श्री हंसराज श्रीमती कान्ता  
रानी धीर पत्नी श्री केवल धीर बी/28/3566,  
चीमा पार्क माडल ग्राम लुधियाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारा 269-ब

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या उससे संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-XXVIII-3566 चीमा पार्क माडल ग्राम  
लुधियाना (जैसे कि रजिस्ट्रार अधिकाारी लुधि-  
याना के कार्यालय के विलेख संख्या 3729 नवम्बर 1979  
में दर्ज है।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना।

दिनांक : 22-7-1980

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-2 रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जून, 1980

निर्देश सं० ए० आर० II/2892-20/नवम्बर-79—अतः

मुझे, ए० एच० तेजाले,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापार संरक्षित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 282 और टी० पी० एस०-III, सं० टी० एस० नं० 120 है तथा जो विलेज एकसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 नवम्बर, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिन्दु तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत:—

1. श्रीमती पार्वती बाई ई० एस० ठाकुर और अन्य  
(अन्तरक)

2. साईकुपा को० ऑफ हा० सो० लिमिटेड  
(अन्तरिती)

1. श्री करबेलकर एम० स्वामीकृष्ण
2. श्री मलवनकर चारुशीला सी०
3. श्री होडा बडेकर नीलकंठा ए०
4. श्री घाटवर गोपाल डि०
5. श्री पाटिल सरला मोरेश्वर
6. श्री पाटिल राजानी एम०
7. श्री कदम स्नेहलता एन०
8. श्री सावंत लीना एस०
9. परब सुलोचना जी०
10. नाइक आणालता सी०
11. फान्सीस अंतोनी जी०
12. सावंत वैशाली बाय०
13. सावे दत्तात्रय एन०
14. फर्नान्डिस पेरीना बी०
15. मोरे गुलाब एन०
16. पाटिल परवेशी एस०
17. पाटिल श्रीधर एस०
18. जेले अनुराधा ए०
19. कर्वे वैशाली आर०
20. महाडिक माधुरी एम०
21. मानकमे चित्रा एम०
22. राऊत प्रमिला एन०
23. सालुंके वामन ए०
24. चिटनीस शरवचंद्र पी०
25. शीव उमिला पी०
26. चौधरी सुरेन्द्र
27. राऊत नरेंद्र डि०
28. शेलार हरीशचंद्र के०
29. पाटिल मगन के०
30. मालोनकर हरशलता ए०
31. पालडे शैलजा ए०

32. सावंत रणमी आर०
33. राऊत वीमल ए०
34. दलवी हिराबाई ए०
35. गीते मधुवती जी०
36. फडके चंदना सी०
37. फडके लतीत जी०
38. पंडित लक्ष्मीकांत सी०
39. वाडेकर प्रतीभा व्ही०
40. बेलवकर राजनी आर०
41. खैरमोडे लोचना टी०
42. सातोसकर जयवंत आर०
43. बानवली उज्वला एस०
44. कोठारे नारायण ए०
45. कोडवीलकर माया जी०
46. थरथरे पी० आर०
47. कुबल संजीवनी ए०
48. भीडे गेपाल त्री मवक
49. परब कमल जे०
50. वागले अनीता एस०
51. मारया रेनी ग्रेस
52. पाटिल दिनकर ए०
53. खांडेकर वत्सला ए०
54. शिंदे राजाराम एस०
55. कुलकर्णी शरव एम०
56. गावऊ वसंत जी०
57. वर्तक वीमल व्ही०
58. चौहान शशीकला डि०
59. ठाकुर सुमद्रा एम०
60. पाटोले ऊषा बी०
61. सावे पुष्पा पी०
62. कर्णिकमुधा डि०
63. वाडेकर भारती एम०
64. दातार श्रीपाद ए०
65. नाबर मंगला एस०
66. केरगावकर गुरुदास बी०
67. शिंदे सरोजीनी आर०

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 1178/79/बंबई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 27-11-1979 के रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० एच० तेजाले,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, बंबई।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

दिनांक : 10-6-1980  
मोहर :

## प्रारूप आई०टी०एन०एड०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई, 1980

निर्देश सं० ए० आर०-I/ए० पी०-141/80-81—असः मुझे,  
पी० एल० खंगटा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एन० नं० 669 है तथा जो मलदार और कंबला हिल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) 1. श्री एच० एच० महाराजा श्री दलजीत सिंह हिम्मत सिंह  
(2) एच० एच० महारानी मनहर कुवरजी (3)  
महाराजकुमार राजेन्द्र सिंहजी दलजीत सिंहजी  
(अन्तरक)

- (2) मेसर्स यूनिफ एंटरप्राइसेस को० प्रा० हा० सो० लि०  
(अन्तरिती)

- (3) 1. मिसेस पी० एस० छेडा  
2. श्री आर० एम० शास्त्री  
3. श्री के० एच० भारमल  
4. मिसेस एच० बी शराफ  
5. मिसेस आई० बी० लुल्ला  
6. श्रीरीशेंटल फायर और जनरल इन्शुरन्स को० लि०  
7. क्रिसेंट डाय और केमिकल लि०  
8. श्री जे० क० मानेकजी  
9. श्री एस० आर० छेडा  
10. केमिकल और फायबर्स आफ इंडिया लि०  
11. क्रिसेंट डाय एण्ड केमिकल्स लि०  
12. श्री अशोक छेडा  
13. श्रीमती आशा मित्रा  
14. सी० ए० एफ० आय० लि०  
15. श्री महाराजा दलजीत सिंह जी आफ इन्द्र  
16. श्री राजकुमार आफ इन्द्र  
17. श्री जी० पी० सी० पी०  
18. श्री आर० सी० सी० पी०

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 653/71 बंबई रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 27-11-1979 को रजिस्ट्र किया गया है।

पी० एल० खंगटा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बम्बई

दिनांक : 11-7-1980  
मोहर :

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बंबई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० आर-III/ए० पी०-349-80-81--अतः मुझ,

पी० एल० रंगटा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 361 प्लॉट नं० 11 एच० नं० 6 सी० टी० एस० नं० 78, 79 और 80 विलेख संख्या नं० एस० 1157/78 है तथा जो कला आगरा रोड में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14 नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यद् विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1 श्री तुकाराम बी० साठम
- 2 मिसेस सरस्वती बाई आफ बी० साठम
- 3 श्री वासुदेव बी० साठम
- 4 माया टी० साठम
- 5 सदानंद टी० बी० साठम
- 6 विजय कुमार टी० बी० साठम
- 7 विद्या टी० बी० साठम
- 8 राजेण टी० बी० साठम

(अन्तरक)

- 2 (1) श्री खान अखलक अलीखान ह्यातम अली खान
- (2) मुहम्मद अन्वर अलीखान अखलक अलीखान
- (3) श्रीमती हजरा बेगम अखलक अली खान की पत्नी

(अन्तरिती)

1. एम० कुमार नायर
2. एम० कुमार नायर
3. एम० कुमार नायर
4. शंभु शेटी
5. शंभु शेटी
6. लतीफा बी० इस्माइल
7. अलखलखान गफुर खान
8. हसनखान गफुर खान
9. अतुल मनीलाल शहा
10. राजबाली मंथजी जीलानी
11. वेलनोन स्टेशनरी
12. उद्यम सिंह
13. शंकरजी राय
14. एन० जी० खान
15. जया शेट्टी
16. मुहम्मद हुसैन नूर मुहम्मद
17. दर्शन सिंह उद्यम सिंह
18. तयाब बी० बनीउल्ला खान
19. अब्दुल करीम आदम
20. जैड० ए० खान
21. पी० शाम राय शेटी
22. परमेर ब्रदस
23. शेखर हुसैन खान
24. खान अखलक अली
25. राम केरल पांडे
26. एस० रहमत अली दौलत अली।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 1157/78 बंबई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 14-11-1979 रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एल० रंगटा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंबई।

दिनांक : 11-7-1980

मोहर :

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बंबई

बम्बई, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० आर०-II/2907-35/नवम्बर-79—अतः

मुझे, ए० एच० तेजाले,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० ४५० ए० एस० नं० 8 से 13 है तथा जो बीलेज भागधाने में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बांदरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

1 श्रीश्रीचंद परमानंद हिन्दुजा, नारायणदास कनैयालाल हिन्दुजा।]

(अन्तरक)

2. वी० एण्ड टी० आफीशियल्स को० आ० हाऊसिंग सोसायटी लि०

(अन्तरिती)

3 1. श्रीमती एम० एम० कुलकर्णी

2. श्री डी० ए० श्रीगारगुरे
3. श्री वी० सलियन
4. श्री ए० योहन्ना
5. श्रीमती वी० जी० सलियन
6. श्री सी० बी० रेडकर
7. श्री एम० वी० मिस्त्री
8. श्री टी० एन० कुट्टी
9. श्री डी० एन० रत्नाम
10. श्री एस० बी० सावंत
11. श्रीमती डी० शकुंतला
12. श्रीमती ए० वी० रोनॉय
13. श्रीमती एस० आर० मोने
14. श्रीमती सावित्री अमिन
15. श्रीमती सी० अरुणगम
16. श्रीमती जे० वी० डिसोजा
17. श्रीमती एम० ए० फ्रि पलानी
18. श्रीमती सांतम्मा पी० आर०
19. श्रीमती एच० एच० शिंदे
20. श्रीमती एम० एम० वासावन
21. श्री एस० एम० मेलमानी
22. श्रीमती सी० के० राधामल
23. श्रीमती ए० एम० पिल्ले
24. श्रीमती पी० ए० वैद्य

(बहु व्यक्ति जिसके अधि-  
भाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या नं० 852/78 जाइंट सब रजिस्ट्रार 4 ब्रदरा द्वारा दिनांक 28-11-1979 के रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० एच० तेजाले,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

[अर्जन रेंज-II, बम्बई।

दिनांक : 15-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(निरीक्षण) अर्जन रेंज,

कानपुर, दिनांक 19 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1511-ए/देहरादून/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है तथा जो सीमेंट रोड देहरादून में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति शान्ति देवी स्वयं धर्म पति स्व० जगदीश प्रसाद गुप्ता सुभाषचन्द्र गुप्ता 3 श्रीमती सुभाष रानी श्री सबोध चन्द्र गुप्ता 5 श्री शरद चन्द्र गुप्ता मुदेशचन्द्र गुप्ता 5 श्रीमती शिवा गुप्ता 8 श्री सवेश चन्द्र गुप्ता नं० 2 ता० 8 पुत्र स्व० जगदीश प्रसाद गुप्ता द्वारा अपनी मुक्तार पुत्रियां श्रीमती शांति देवीसब निवासी नं० 4 सिमेंट रोड, देहरादून (अन्तरिती)

2. श्रीमती शमलेश गोयल धर्म पत्नी श्री कंवरसेन गोयल निवासी खतौली जिला मुजफ्फर नगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति नम्बर 5 सिमेंट रोड देहरादून का भाग जिसमें तीन दुकान अलग में जीना मुश्तरका पीछे रहने के तीन कमरे सब दो मंजिला नीचे व सम्बन्ध की भूमि का क्षेत्रफल 147.64 वर्ग मीटर है तथा जो 35,000/- रुपये का बेचा गया।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 19-7-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1415-ग/अर्जन/बुढाना/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मुजफ्फर नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फर नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्में दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एते किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री तुगलपुत्र रामहिदा कश्यपराजपूत निवासी ग्राम सतेमपुरमजरा व डा० व० पर० कांघवा तह० बुढाना जिला मुजफ्फरनगर (अन्तरक)

2. श्री लियाकत व जहुर पुत्र गण अलीमोहम्मद निवासी मलकपुर व मरिहसनपुत्र तुगल नि० कांघला हर एक डाक व पर० कांघला तह० बुढाना जिला मुजफ्फरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि कांढला खता नवम्बर 275 खसरा नं० 282 रकबा 6111/2×11 लगान 19-65 है तथा जो 33012/- रुपये में बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 17-7-1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 मई 1980

निर्देश सं० 1574-कानपुर/79-80—यतः मुझे, बी०  
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मछरिया कानपुर में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 19-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः; अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
के (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पृथ्वीनाथ सिंह आत्मज श्री शिव सहायक सिंह  
निवासी ग्राम पोस्ट मिराई जिला फतेहपुर (अन्तरक)

2. श्री अयोध्या प्रसाद व अभिमजुयु यादव आत्मज श्री  
रामाधीन यादव बूटपुर मछरिया परगना ब जिला कानपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1235 रकबा 11 बी० 12 व 1236 रकबा  
2 बी० वि० बुटपुर मछरिया में स्थित है तथा जो 28,900  
रुपये की बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 17-5-1980

मोहर :

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर. दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1609 ए०/मु० नगर/79-80—अतः मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मखियाली में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फर नगर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 18-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पूर्ण सिंह पुत्र सं० गहण सिंह निवासी गांधी  
नगर कालेनी मुजफ्फर नगर (अन्तरक)

2. खुराना पेपर मिल्स द्वारा जगमोहनसिंह सं०  
बाग सिंह भोला रोड मुजफ्फर नगर (मकान नं० 81)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि नम्बर खसरा, नम्बर  $\frac{695/1}{131+13}$  बाके ग्राम  
मखियाली परगना व जिला मुजफ्फर नगर में स्थित हैं तथा  
जो 83,679.75 रुपये की बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-7-80  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1476 ए०/गाजियाबाद/79-80—अनः मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट 37 है तथा जो गान्धी नगर गाजियाबाद है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भ्रष्टरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि घातपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य भास्तिवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनिल कुमार गोयल पुत्र श्री बेदप्रकाश गोयल निवासी राधापुरी हापुड़ तह० जिला गाजियाबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रकाश रानी पत्नी श्री नाथराम 1/4 भाग श्रीमती कैलाश रानी पत्नी श्री कृष्ण दास 1/4 भाग व श्रीमती मरस्वतीदेवी पत्नी बनराम 1/4 भाग व श्रीमती देवइच्छिया पत्नी श्री सोहनलाल 1/4 भाग निवासी नेहरू रोड जैती तह० व जिला फरीदकोट पंजाब

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट नम्बर पैतीस क्षेत्रफल 1286 वर्ग गज स्थित सलेकचन्द्र आवयसिक कालोनी निकट गान्धी नगर गाजियाबाद हदबदस्तग्राम कैला परगान लोनी तह० व जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 19-7-1980

मोहर :

प्रमुख अह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1475-ए/गाजियाबाद/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो गान्धी नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूर्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल मिश्रित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती कस्तुरी देवी पत्नी श्री सलेख चन्द्र मिश्रल निवासी 13 रामाता राम रोड़ गाजियाबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रकाश रानी पत्नी नाथ राम तथा श्रीमती कैलाश रानी, श्रीमती सरस्वती देवी तथा श्रीमती देवी के आफ मेसर्स सचदेव इस्टीमेटिंगमिल्स प्लॉट नं० 33 जी० टी० रोड़ के उत्तर में पो० बाक्स नं० 92 गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता प्लॉट दो हजार तीन सौ आरसठ वर्ग गज सलेख चन्द्र कालोनी गान्धी नगर के पास गाजियाबाद में स्थित है। और जो एक 42080 रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज, कानपुर

दिनांक : 19-7-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्वयन, प्रत्यक्ष आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 19 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1611-ए/मुजफ्फर नगर /79-80—अतः  
मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान 464/2 है तथा जो मिविल लाइन  
मुजफ्फर नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय मुजफ्फर नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 21-12-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राशिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा 1 के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

2-206GI/80

1. श्री सरदार प्रगट सिंह पुत्र सरदार देवीदत्ता सिंह  
निवासी सखल हेडाछं खास तह० जानमठ जिला मुजफ्फर नगर  
(अन्तरक)

2. श्रीमती सरला पत्नी साहबसिंह निवासी बरवाला  
डा० खास पर० बधरा जिला मुजफ्फर नगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
बास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान क्षेत्रफल 350 वर्ग गज नम्बर 464/2  
मिविल लाइन दक्षिणी मुजफ्फर नगर में स्थित हैं और जो  
42000 रु० का मंजूर गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 19-7-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कानपुर अर्जन रेंज

कानपुर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1440 ए० गाजियाबाद/79-80—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो बेगमाबाद में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 3-12-1970

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच इस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. श्री चितरंजन शर्मा पुत्र श्री चन्द्र भान शर्मा निवासी  
97 राईट गंज गरवी नई बस्ती गाजियाबाद पर लोनी तह०  
व जिला गाजियाबाद (अन्तरक)

2. श्री मती विद्या वती पत्नी श्री देवीदास मित्तल व  
निवासी कस्बा बेगमाबाद परगना जलालाबाद तह० व०  
जि० गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दो किता मकान प्लॉट रकबई दो विसवे पुस्ता पानी  
303 बर्गज बाके ग्राम बेगमाबाद बुठना श्रमर सीमा नगर  
पालिका मोदी नगर तह० व जिला गाजियाबाद में स्थित  
है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 17-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस।-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कानपुर अर्जन रेंज,

कानपुर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० गाजियाबाद/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो औरंगाबाद में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरता अधिकारी के कार्यालय बुलन्द शहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-12-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार नए, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अन्तर अश्वाम व अमर अश्वाम अजहर अश्वाम बाम पुत्र नूरउलहसन निवासी कन्वा औरंगाबाद पर० बरन जिला बुलन्दशहर (अन्तरक)

2. श्रीमती कैलाशवती धर्म पत्नी अगद सिंह बन्दरराम पाल सिंह व देवन्द्रपाल सिंह व कृष्ण पाल सिंह पुत्रगण अगद निवासी खवाजपुर परगना बरन व जि० बुलन्द शहर (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चार किता रकवई 511/2 2 पुख्ता अराजी को के करता हूँ। जो ग्राम औरंगाबाद जिला बुलन्दशहर में स्थित है। तथा जो 40,000 रुपये में बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन रेंज) कानपुर

तारीख : 17-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कानपुर अर्ज रेंज,

कानपुर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1600 ए० गाजियाबाद 79-80—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिस्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 2317 है तथा जो ग्राम  
चूहडपुर खादर में स्थित है (और इससे उवाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के  
कार्यालय सिकन्दराबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 26-12-1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि बधापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा गवा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई कितनी मात्र की मात्र, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तर  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जिलेराम पुत्र श्री जड़विह निवासी हास  
चूहडपुर खादर पर० दनमोर डा० कासना तह० सिकन्दराबाद  
जिला बुलन्दशहर (अन्तरक)

2. श्री जगदीश सिंह पुत्र गुरुचन सिंह निवासी गोविन्द  
सरन अदाईपुर पो० महरोली जिला दिल्ली (अन्तरिती)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 2314 और लगानी 125/आर० साल-  
ग्राम चूहडपुर खादर में स्थित हैं जिला बुलन्दशहर है।  
जोकि 22,500 रु० में बेंची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 17-7-1980  
मोहर :



प्रमुख आई०टी०एन०एस०.....

ब्यापक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 1603 ए०/सरधना 79-80—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मूल में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरधना में, रजिस्ट्रेशन  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
21-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कबिा नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिख में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों शर्थात :—

1. श्री सय्यद इकतदार हुसैन पुत्र सय्यद अलमदार  
हुसैन निवासी 430 छत्ता भुमताण अली खैर नगर बाजार  
मेरठ। (अन्तरक)

2. श्री हरकान अली व जमानअली व ग्रहसान अली  
व समान अली व अन्सार अली पुत्र मौसम अली निवासी मूल  
पर० दोराला तह० सरधना जिला मेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिा-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अव्योहस्ताभरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिये  
गए हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि 24111/3 निवासी मूल पर० दोराला तह०  
सरधना जिला मेरठ में स्थित हैं तथा जो 1,40,000 रुपये  
की बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-7-1980

मोहर :

प्रथम आर्षी टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1605 ए०/मु० नगर/79-80—प्रतः मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 814 है तथा जो शेरनगर में स्थित  
है (और इससे उपाखंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफरनगर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 6-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यदि उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा-(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री नत्थू सिंह पुत्र भागत सिंह निवासी ग्राम बठपर  
झाक खास तह० बागपत जिला मेरठ हाल निवासी शेरनगर  
परगना तह० ब जिला मुजफरनगर, (अन्तरक)

2. श्री विरेन्द्र सिंह व सुभाष, राजेन्द्र सिंह, विजेन्द्र सिंह  
पुत्रगण लटूर सिंह निवासी ग्राम कूकडा परगना तह० ब  
जिला मुजफरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नम्बर 814 का यथोचित 1/3 भाग बाके  
ग्राम शेरनगर परगना ब जिला मुजफरनगर में स्थित  
है तथा जो 35,000 रुपये का बेटा गया।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 18-7-1980  
मोहर:

प्रकृष खाई० टी० एन० एन०—

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निवेश सं० 1601-ए/सरधना/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 231एम है तथा जो बूहड़पुर खादर में स्थित है (और इसमें उपायद्ध असंतुष्टी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-12-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नव पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुकित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हुई किसी भाव को बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में रुचि के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य भास्तिषों को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चमन सिंह पुत्र श्री खड़क सिंह निवासी हाल बूहड़पुर, पर० कौर डाक० कामना जिला बुलन्दशहर (अन्तरक)

2. श्रीमती सुरजीत कौर पुत्री अमरसिंह, गोविन्द संदन गदाईपुर पो० महरोली, दिल्ली-30 (अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्घस्तार्ता के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि 231 एम० लगानी 125/साल स्थित ग्राम बूहड़पुर खादरतह० सिकन्दराबाद जिला बुलन्दशहर में स्थित है तथा जो 22,500 रुपये की बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 17-7-1980  
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भाषालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1606-ए० मुजफरनगर/79-80—अतः

मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि 814 है तथा जो शेरनगर में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफरनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 6-12-79

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित वृत्तों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ईश्वर सिंह पुत्र करमू निवासी भभोसा डाक खास तह० बुढाना हाल ग्राम शेरनगर पर० न तह० न जिला मुजफरनगर। (अन्तरक)

2. श्री विरेन्द्र सिंह व सुभाष, राजेन्द्र सिंह व विजेन्द्र सिंह पुत्रगण लटूर सिंह निवासी ग्राम कूकडा पर० न तह० न जिला मुजफरनगर। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नम्बर खसरा नं० 814 का पञ्चोचित 1/3 भाग बाके ग्राम शेरनगर जिला मुजफरनगर में स्थित है तथा जो 35,000 रुपये का बेचा गया।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 18-7-1980  
मोहर :

प्रमुख आर्क्ष. टी. एन्. एस.-----

1 श्री एच० एस० सरना पुत्र श्री बलचन्त सिंह  
निवासी 161, बुलटन स्ट्रीट मॅरठ कॅन्ट (अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना2 श्री डी० एस० निम पुत्र चौधरी करन सिंह निवासी  
मकान 181 सेक्टर तीन नई दिल्ली आर० के० पुरम  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

कानपुर, दिनांक 17 जुलाई 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

निर्देश सं० 1448-ए/गाजियाबाद 79-80—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/  
रु० से अधिक है(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;और जिसकी सं० प्लॉट बी० 6 है तथा जो चन्द्र नगर में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 21-12-1980(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया हैः--स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/याएक किता प्लॉट बी० 6 क्षेत्रफल 586,66 वर्ग मीटर  
स्थित सेक्टर 12 चन्द्र नगर गाजियाबाद में है। तथा जो  
48000 रु० का बेचा गया है।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुरअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--तारीख : 17-7 1980  
मोहर :

प्रकरण धार्मिक, धर्म, एन. एन. --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1599-ए० कानपुर/79-80—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 92/1 है तथा जो कानपुर में  
स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 28-12-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने का धर्मिक के दायित्व से कटो  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हिन्द स्टेट प्रा० लि० कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्री शफी उज्जमा कुरेसी 88/333 चमनगंज, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान 92/1 पुरवा हीरामन कानपुर में स्थित  
है। जोकि 40000 रु० में बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-7-1980

मोहर :

## प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 जलाई 1980

निदेश सं० 901/अर्जन/जालौन/ 79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मौजा पड़रानी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालौन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधिनियम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र प्रताप सिंह निवासी धनौरा परगना ब जिला जालौन। (अन्तरक)

2. श्री गस्तुधन सिंह व श्री हंगा विजय सिंह व श्री गोविन्द सिंह निवासी वालिंग पुत्र श्री दरवारी सिंह व श्री हरिवल्लभ सिंह नावालिंग पुत्र श्री दरवारी सिंह पत्नी नरायण सिंह एडवोकेट पुत्र श्री दरवारी सिंह निवासी वरैना पर० ब० जिला जालौन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक किता कृषि भूमि मौजा पड़रानी परगना ब जिला जालौन में स्थित है। जिसका रकबा 13,93 डि० है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 26-7-1980  
मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 अगस्त 1980

निर्देश सं० 728/ए व्यू० आर० III/8081/ यतः मुझे आई० टी० एस० जूनेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 10A से 10 एच है 10 जे 10 एन, 10 पी० से 10 आर०, 10/1ए से 10/1 एच० 10/आई जे० से 10 आई एन० और 10/आई पी० से 10/आई आर० तथा जो गवर्नमेंट प्रेस ट्रस्ट कल स्थित है (और इसमें उपाबध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घुस्रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के गन्तव्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घुस्रण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घुस्रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) घुस्रण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घुस्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राणी लक्ष्मी देवी और बेपासका प्रभु संयाम शेर बहादुर राणा 10, गवर्नमेंट प्लेस इस्ट कल० । (अन्तरक)

2. इन्स्टीट्यूट, आफ इण्डियन, लेबर, 2, जवाहरलाल नेहरू रोड कल० । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथवा हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

10 एसे 10 एच०, 10 जे० से 10 एन०, 10 पी० सं 10 आर०, 10/1ए० से 10/1 एच०, 10/1 जे० से 10/1 एन० और 10/1 पी० से 10/ आई आर० गवर्नमेंट प्रेस ईस्ट हाऊस कलकत्ता में अवस्थित 2 बिघा, 1 कट्ठा 10 छटाक जमीन पर मकान का 5/6 हिस्सा जो 15-11-79 तारिख में 1979 का डीड, न० 5917 अनुसार रजिस्ट्रार आफ एगुरेन्स दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई० टी० एस० जूनेजा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
54, रफीग्रहमण किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख 5-8-1980  
मोहर :



प्रकरण आर्यो डी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काबलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 अगस्त 1980

निर्देश सं० जी० आर० जी०/20/79-80--अतः मुझे,  
गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान प्लॉट संख्या 964 सेक्टर 4,  
अरबन एस्टेट है तथा जो गुडगावा में स्थित है (और इससे उपबाद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, गुडगावा, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908,  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

(1) श्री आर० डी० मदान

14/ई/36

ईस्ट पटेल नगर, नई देहली

(अन्तरक)

(2) श्री यू० बी० एस० राम्रो,

69, न्यू कालोनी,

गुडगावा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति एक बुकान प्लॉट संख्या 964, सेक्टर 4, अरबन एस्टेट  
गुडगावा में स्थित है जिसका और अधिक विवरण कार्यालय,  
रजिस्ट्रीकर्ता गुडगावा के रजिस्ट्री क्रमांक 3190 दिनांक  
15-11-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 5-8-1980

मोहर :

## SUPREME COURT OF INDIA

(ADMN. BRANCH I)

New Delhi, the 1st August 1980

No. F.6/80-SCA(I).—Shri A. P. Bhandari, Officiating Deputy Registrar, Supreme Court of India, has retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of July 31, 1980.

The 2nd August 1980

No. F.6/83/80-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has appointed Shri P. C. Karmarkar, Personal Assistant to Hon'ble Judge of the High Court, Appellate Side, Bombay, as an officiating Private Secretary to the Hon'ble the Chief Justice of India Supreme Court of India with effect from the forenoon of August 1, 1980, until further orders.

MAHESH PRASAD  
Dy. Registrar (Admn. J)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION  
New Delhi-110011, the 19th July 1980

No. A.32016/4/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri R. P. Singh, a permanent Estate Supervisor of this office, to officiate as Estate Manager and Meeting Officer in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/—, on an *ad-hoc* basis for a period of three months with effect from 15th July 1980 or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN  
Under Secy.  
For Secy.

New Delhi-11, the 18th July 1980

No. A.32014/1/80-Admn.I.—On his reversion from the post of Additional Private Secretary to the former Raksha Rajya Mantri in the Ministry of Defence, New Delhi, the President is pleased to appoint Shri P. P. Sikka, a permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) and officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer in the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Sr. P.A. (Grade B of CSSS) in the same cadre on purely temporary and *ad-hoc* basis for a period from 5th July 1980 to 27th September 1980 or until further orders, whichever is earlier.

The 21st July 1980

No. A-19014/9/80-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Karam Chand, a permanent Section Officer from cadre of Irrigation and Power, Ministry of Energy as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission w.e.f. forenoon of 4th July 1980 until further orders.

The 29th July 1980

No. A.38013/4/79-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri S. R. Khanna a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st July 1980 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Fsts(A), dated the 24th November 1973.

S. BALACHANDRAN  
Dy. Secy.  
Incharge of Admn.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 29th July 1980

No. A-22012/1/80-Ad.V.—Services of Shri M. P. Singh, Dy. Legal Adviser, CBI, Special Police Establishment are placed at the disposal of the National Textile Corporation on deputation w.e.f. 30th June 1980 A.N. on deputation.

The 30th July 1980

No. A-35018/15/79-Ad.I.—Deputy Insp. General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Bireswar Ganguly Sub-Insp. of Police Calcutta, on deputation as Insp. of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation GOW Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 16th June 1980, until further orders.

No. A-35018/15/79-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Samar Kanti Chowdhury, Sub-Insp. of Police, West Bengal, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation GOW Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 11th June 1980 until further orders.

The 2nd August 1980

No. A-19021/7/75-AD.V.—Shri B. P. Saha, IPS (1963-Orissa) relinquished charge of the office of Supdt. of Police, CBI, CIU (I), New Delhi on the forenoon of 23rd July 1980. His services have been placed at the disposal of the State Govt.

No. A-19036/DSP/80.Ad.V.—Director Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to promote the following Inspectors to officiate as Dy. Supdts. of Police in CBI on *ad-hoc* basis from the date mentioned against their names until further orders :—

## Name and Date of promotion

S/Shri

- P. S. Dwivedi—18-6-1980 (F.N.).  
M. Pandirajan—30-6-1980 (A.N.).  
Verghese P. Thomas—30-6-1980 (F.N.).

No. A-19036/DSP/80.Ad.V.—Director Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint the following deputationist Inspector to officiate as Dy. S.P. in CBI w.e.f. from the date mentioned against their names until further orders :—

## Name and Date of appointment

S/Shri

1. M. L. Narasimha Murthy—5-6-80 (A.N.).  
2. M. R. Dani—16-6-80 (A.N.).  
3. Kalidas Chakraborty—27-6-80 (AN).

Q. L. GROVER  
Administrative Officer (E)  
Central Bureau of Investigation

## DIRECTORATE GENERAL, R.P. FORCE

New Delhi-110001, the 31st July 1980

No. O II-1467/80-Estt.—The President is pleased to appoint the following as General Duty Officer Grade-II (Deputy Supdt. of Police/Coy. Commander) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from dates noted against each subject to their being medically fit.

1. Dr. Chandra Bhal—19-6-80 (FN).
2. Dr. Surendra Pal—4-7-80 (FN).
3. Dr. Surendra Kumar—5-7-80 (FN).
4. Dr. P. Chellapillai—11-7-80 (FN).
5. Dr. (Mrs.) Jyotsnamai Nayak—12-7-80 (FN).
6. Dr. Kondra Kesaiah—14-7-80 (FN).
7. Dr. Yogendra Mittal—19-7-80 (FN).
8. Dr. K. Narsimha Rao—17-7-80 (FN).
9. Dr. Dilip Parate—22-7-80 (FN).

K. R. K. PRASAD  
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 28th July 1980

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Calcutta Shri S. K. Tām. relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, F.B.P., Farrakka w.e.f. the forenoon of 17th June 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Madras Shri C. S. Vardaraja assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, BIL Bhilai w.e.f. the forenoon of 30th June 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Baroda Shri S. K. Arora, Assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF HQrs, New Delhi w.e.f. the forenoon of 11th July 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Dewas Shri K. C. Bhoomla assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., (JAO), CISF/N&W Zone, New Delhi w.e.f. the afternoon of 5th July 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Mangalore Shri T. P. Balakrishnan Nambiar relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF, SZ HQrs, Madras w.e.f. the afternoon of 30th June 1980.

No. F-38013(2)/1/80-PERS.—On transfer from Farraka Shri S. K. Chatterjee, IPS (MT : 69) assumed the charge of

the post of Comdt. CISF Unit, HFC Durgapur w.e.f. the forenoon of 30th June 1980.

No. E-16015(6)/1/80-PERS.—On transfer on deputation to I.T.I. Rae Bareilly, Shri S. K. Kohli relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., (Recruitment), CISF HQrs, New Delhi w.e.f. the afternoon of 10th July 1980.

The 31st July 1980

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer from Bombay Shri A. S. Bhatti assumed the charge of the post of Asstt-Comdt CISF Unit, BIL Bhilai w.e.f. the forenoon of 3rd July 1980.

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer to New Delhi Shri H. V. Chaturvedi relinquished the charge of the post of Asstt-Commandant CISF Unit BIL Bhilai w.e.f. the afternoon of 27th June 1980.

Sd./- ILLEGIBLE  
Inspector-General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA  
New Delhi, the 30th July 1980

CORRIGENDUM

No. 11/15/80-Ad.I.—The name of Shri H. J. Siddalingappa appearing in this office notification of even number, dated 17th June 1980 may be read as 'Shri H. T. Siddalingappa'.

K. C. SETH  
Dy. Director

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002 the 29th July 1980

No. 1836/CAI/25-80—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further orders:—

Sl. No.	Name of the Section Officer (Commercial)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as A.O.(C)	Date of posting as A.O.(C)
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	A. J. Punjabi	MAB&Ex. Office D.C.A. (W.R.) Bombay	MAB, DCA (W.R.) Bombay	6-3-80
2.	B. N. Paul	AG, II, W.B. Calcutta	D.C.A. Calcutta	12-3-80
3.	G. N. Murthy	A.G. Orissa	A.G. Orissa Bhubaneswar	14-3-80 (AN)
4.	N. N. Sharma	A.G. Haryana Chandigarh	A.G., Haryana Chandigarh	31-3-80
5.	Giriraj Sharan Sharma	AG, II, M. P.	AG, Orissa Bhubaneswar	10-4-80
6.	A. Narayanan	AG, II, Tamil Nadu	AG, Orissa Bhubaneswar	3-4-80
7.	Gurcharan Singh Bimbira	AG, Punjab	AG, Assam, etc. Shillong	8-4-80
8.	K.C. Ananda Rao	C.A.G. Office N. Delhi	AG., Orissa, Bhubaneswar	10-4-80
9.	Laxman Ballabh Sharma	AG, Rajasthan	DCA (Coal) Calcutta	27-3-80
10.	K.C. Saxena	A.G. II, U. P. Lucknow	DCA; Ranchi	10-4-80
11.	Laxmi Singh	DCA, Ranchi	Do.	18-3-80
12.	K. Vijayaramanujam	AG, II, T.N. Madras	D.A. (S&CD) Bombay	26-6-80
13.	V. Andiappan Pillai	A.G. Kerala	DCA; Ranchi	31-3-80
14.	V. Gangsan	Do.	Do.	31-3-80

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Bombay-20, the 23rd July 1980

No. Admn.I/Genl/31-Vol.III/CI(1)/5.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint Shri W. Y. Bhagat, Section Officer (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 14th July 1980 FN until further orders.

S. R. MUKHERJEE  
Sr. Dy. Accountant General/M.

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I

UTTAR PRADESH, ALLAHABAD

Allahabad, the 24th July 1980

No. Admn.I/C-7A-105/2207.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, the undersigned had given a notice Shri Aquilur Rahman, Clerk, (Personal No. 05/5835) vide this office memo No. Admn.I/C-7A-105/1103 dated 30 May 1980 intimating that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which the notice was served on him. The said notice sent to him by registered post has been returned back to this office undelivered.

The undersigned hereby gives notice that the services of said Shri Aquilur Rahman shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published in the Gazette.

S. J. S. AHLUWALIA  
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

## MINISTRY OF DEFENCE

DGOF HQrs. CIVIL SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 23rd July 1980

No. 14/80/A/E-1(NG).—The Director General, Ordnance Factories is pleased to appoint Shri Leivang KAMJAKHUP as Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) with effect from 20-6-80 (F.N.) and posted at OEF Group HQrs., Kanpur.

The 25th July 1980

No. 15/80/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Mohit Kumar Sengupta, Asstt. Staff Officer (*Ad-hoc*), as Offg. Asstt. Staff Officer, in an existing vacancy, without effect on seniority, from 1-7-80 until further orders.

Shri Sengupta will be on probation for two years from 1-7-80.

The 31st July 1980

No. 16/80/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Pratul Ch. Chattopadhyaya Ty. Asstt., to Offg. Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted), in an existing vacancy, without effect on seniority, from 25-7-80 until further orders.

Shri Chattopadhyaya will be on probation for two years from 25-7-80.

D. P. CHAKRAVARTI  
ADGO/Admin.  
for Director General, Ordnance Factories.

## MINISTRY OF COMMERCE

DEPARTMENT OF TEXTILES

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 1st August 1980

No. EST.I-2(494)/2211.—Shri R. Subramanian, Deputy Director in the Regional Office, of the Textile Commissioner, Coimbatore, has retired from service from afternoon

of 30th April, 1980, on attaining the age of superannuation.

M. C. SUBARNA  
Textile Commissioner

## MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 31st July 1980

No. A.19018/321/77-Admn.(G).—In supersession of this office notification of even number dated 26-6-80, the President is pleased to accept the resignation of Shri S. S. Bhosrekar from the post of Deputy Director (Metallurgy), Regional Testing Centre, Bombay with effect from the afternoon of 10th April, 1980.

M. P. GUPTA  
Deputy Director (Admn.)

## DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 28th July 1980

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 2—NITRATE MIXTURE, add "TOVEX-100 and TOVFX-200" after the entry "TOEBLAST".

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, Under Class 2—NITRATE MIXTURE :

- (i) in the entry "MONOEX" for the figures "1980" the figures "1981" shall be substituted;
- (ii) in the entry "PE-1-AE" for the figures "1980" the figures "1981" shall be substituted; and
- (iii) in the entry "PULVEREX" for the figures "1980" the figures "1981" shall be substituted.

CHARANJIT LAL  
Chief Controller of Explosives

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA  
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 25th July 1980

No. 5505B/A-19012(4-SCD)/78-19B.—Shri S. C. Diwan has relinquished the charge of the post of Driller, Geological Survey of India on resignation with effect from the forenoon of 21st July, 1979.

No. 5517B/A-19012(4-RS)/78-19B.—On his being permanently absorbed in the Mineral Exploration Corporation Limited, Shri Ranabir Singh, Driller, has resigned from the services in the Geological Survey of India with effect from 1-10-1977 (F.N.).

The 28th July 1980

No. 5613B/50/66/19B.—Shri K. S. Subba Rao received charge of the post of Shift Boss in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd., in the same capacity, from the forenoon of 24-3-1980.

The 31st July 1980

No. 5681B/A-19012(1-MPS)/78-19A.—Shri M. P. Sharma Asstt. Geologist, Geological Survey of India resigned from the said post of Assistant Geologist in the same department with effect from the afternoon of the 20th March 1980.

No. 5694B/A-19012(5-SKS)/78-19B.—On his being permanently absorbed in the Kudremukh Iron Ore Company Limited Shri S. K. Sanyal, resigned from the post of Assistant Chemist in Geological Survey of India with effect from the forenoon of 8-11-78.

No. 5703B/A-19012(Ch.Artist)/80-19A.—Shri R. M. Bhattacharjee, Artist, Geological Survey of India is appointed on promotion as Chief Artist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 8-5-80 until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY  
Director General

#### ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM,

Calcutta-16, the 30th July 1980

No. 4-172/80/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri S. K. Chakraborty, Office Superintendent to the post of Junior Administrative Officer, at North East Region, Shillong, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of the 22nd July, 1980.

C. T. THOMAS  
Senior Administrative Officer

#### SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE Dehra Dun, the 25th July 1980

No. C-5639/724-SOS(A).—Shri Bishwambar Singh, Stores Assistant (Sel. Gde.) is appointed to officiate as Assistant Stores Officer (GCS Group 'B' post) in Research and Development Directorate, Survey of India, Hyderabad, on *ad-hoc* basis, in the scale of pay of Rs. 550-25-750-EB-30-900 with effect from 30-5-80 (F.N.).

K. L. KHOSLA  
Major General,  
Surveyor General of India

Dehra Dun, the 11th August 1980

No. EJ-5645/PF(B.L.Sharma).—The Surveyor General of India is pleased to retire Shri B. L. Sharma who was officiating as Officer Surveyor in No. 70 (Forest) Party (NC), Survey of India, Dehra Dun from the Government Service on superannuation with effect from the afternoon of 31st May, 1980.

IQBAL SIDDIQUI  
Major Engrs.,  
Assistant Surveyor General

#### DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the July 1980

No. 3/39/62-SII.—Director General, All India Radio, hereby appoints Shri M. B. Ozarkar, Accountant All India Radio, Jalgaon to officiate as Administrative Officer, *ad-hoc* basis All India Radio Jalgaon with effect from 14-4-80 (F.N.) to 5-5-80 (F.N.).

The 2nd July 1980

No. 29/6/76-SII.—Director General, All India Radio, is pleased hereby to appoint Shri S. D. Bhosale, Farm Radio Reporter All India Radio, Panaji to officiate as Farm Radio Officer, All India Radio Panaji with effect from 4-3-80

No. 29/2/80-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri A. N. Deshmukh, Farm Radio Reporter All India Radio, Nagpur to officiate as Farm Radio Officer, All India Radio Ratnagiri with effect from 9-6-80 (F.N.).

No. 29/ 3/80-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri S. P. Mahajan, Farm Radio Reporter All India Radio, Parbhani to officiate as Farm Radio Officer, All India Radio Panaji with effect from 7-6-80.

14—206GI/80

No. 29/4/80-SII.—Director General, All India Radio, is hereby to appoint Shri B. K. Shukla, Farm Radio Reporter All India Radio, Bhagalpur to officiate as Farm Radio Reporter, All India Radio Bhagalpur with effect from the forenoon of fourth March, 1980.

S. V. SESHADRI  
Deputy Director of Administration  
for Director General

New Delhi, the 31st July 1980

No. 6(21)61-SI.—On attaining the age of superannuation Shri S. B. Mukherjee, relinquished charge of the post of Programme Executive, All India Radio, Calcutta with effect from the afternoon of the 30th June, 1980.

H. C. JAYAL  
Dy. Director of Administration  
for Director General

#### MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

#### DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-110001, the 4th August 1980

No. A.12025/2/80-Est.—The Directorate of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Gaurisankar Mitra as Senior Artist in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th July, 1980, until further orders.

J. R. OKHI  
Deputy Director (Admn.)  
For Director of Advertising and Visual Publicity

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 29th July 1980

No. A 12025/21/79(JIP)/Admn.I.—The Directorate General of Health Services is pleased to appoint Dr. A. Balasubramanian, Technical Assistant, Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry, to the post of Assistant Biochemist at the same Institute with effect from the forenoon of the 12th June, 1980 on an officiating basis and until further orders.

Consequent on the appointment of Dr. A. Balasubramanian to the post of Assistant Biochemist, Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry, Shri P. Ranganathan stands reverted from the post of Assistant Biochemist to that of Technical Assistant in the same Institute with effect from the forenoon of the 12th June, 1980.

The 1st August 1980

F. No. A. 12026/12/79-NMEP/Admn.I.—The president is pleased to appoint Dr. Manoranjan Das, Assistant Director (Ent.), National Malaria Eradication Programme, Delhi on his return from foreign service as Scientist (Ent.) under the Indian Council of Medical Research to the post of Central Coordinating Officer, National Malaria Eradication Programme, on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of the 27th June, 1980 and until further orders.

S. L. KUTHIALA  
Dy. Director Administration  
(O&M)

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

#### DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-44 001, the 31st July 1980

No. DPS/23/6/77/Est./12645.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M. O. Jacob, temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-

1200 on an ad hoc basis in the same Directorate with effect from 19-5-1980 (FN) to 28-6-1980 (AN) vice Shri V. P. Tilloo, Asstt. Stores Officer granted leave.

C. V. GOPALAKRISHNAN,  
Asstt. Personnel Officer

### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 12th December 1979

#### ORDER

Ref. NFC/PAV/Dis/1288/SMP/2019.—WHEREAS Shri Qader Sheriff, while functioning as Tradesman 'A' in NFC, applied for and been sanctioned leave from 4-7-1979 to 7-8-1979;

2. AND WHEREAS the said Shri Qader Sheriff did not resume duty on 8-8-1979 on the expiry of his leave, but remained absent unauthorisedly and submitted an application dated 10-8-1979 for extension of leave from 8-8-79 to 7-9-79 on grounds of personal work;

3. AND WHEREAS the competent authority decided that Shri Qader Sheriff should be asked to resume duty immediately and a communication was sent to him directing Shri Qader Sheriff to report for duty immediately in any case not later than 31-8-79, vide Memo No. PA-IV/Q-5/SMP/2254 dt. 22-8-1979;

4. AND WHEREAS the memo No. PA-IV/Q-5/SMP/2254 dt. 22-8-1979 referred to above sent by Registered Post Acknowledgement Due to the last known addresses, viz. (1) H. No. 17-4-187, Yakutpura, Zandgatta Balla Bazaar, Hyderabad-500 023; and (2) H. No. 17-6-663, Dabirpura, Hyderabad-23 were returned undelivered with the following remarks:

"Party out—N/F 7 days. Hence R/S" in the envelope addressed to H. No. 17-6-663, Dabirpura, Hyderabad-23;

and

"No such person in this house" in the envelope addressed to H. No. 17-4-187, Yakutpura, Zandgatta, Balla Bazaar, Hyderabad-23;

5. AND WHEREAS the said Shri Qader Sheriff has continued to remain absent and failed to inform the Nuclear Fuel Complex of his whereabouts;

6. AND WHEREAS the said Shri Qader Sheriff has been guilty of voluntarily abandoning service;

7. AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of NFC Standing Orders and/or Rule 14 of the CCS (CCA) Rules, 1965;

8. AND now, therefore, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22 (1)/68-Adm. dt. 3-12-1970 and/or under Rules 19 (ii) of CCS (CCA) Rules, 1965 hereby removes the said Shri Qader Sheriff from services with immediate effect.

1. Shri Qader Sheriff  
H. No. 17-4-187,  
Yakutpura, Zandgatta,  
Balla Bazaar,  
Hyderabad-23.
2. Shri Qader Sheriff  
H. No. 17-6-663,  
Dabirpura,  
Hyderabad-23.

N. KONDAL RAO,  
Chief Executive

### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 29th July 1980

No. 05052/80/3321.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Shamsuzzaman Khan, a temporary Scientific Assistant (C) of Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

No. 05052/80/3322.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Pooran Mal Jangir, a temporary Scientific Assistant (B) of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Gr. SB), in the same project, with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

No. 05052/80/3323.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Krishnakumar Bhagwanji Luhar, a temporary Scientific Assistant (B) of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Gr. SB), in the same project, with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

The 31st July 1980

No. 05052/80/3362.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Bhajan Singh, a quasi-permanent Scientific Assistant 'B' of Rajasthan Atomic Power Project and officiating Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Kota) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in Heavy Water Project (Kota), with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

R. C. KOTIANKAR,  
Administrative Officer.

### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 29th July 1980

No. AMD-1/38/78-Adm.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Smt. Savita Rohatgi as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity, with effect from the forenoon of July 28, 1980 until further orders.

M. S. RAO,  
Sr. Administrative & Accounts Officer.

### DEPARTMENT OF SPACE PURCHASE DIVISION

Bangalore-560 025, the 19th June 1980

No. 10/3(15)/80-PUR.—Director, Purchase Division, Department of Space is pleased to appoint Shri George Joseph as Assistant Purchase Officer in an officiating capacity in the Purchase Division of the Department of Space with effect from the forenoon of June 9, 1980 and until further orders.

M. P. R. PANICKER,  
Administrative Officer-II  
for Director (Purchase)

### CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 12th June 1980

No. 10/3(68/75-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, has accepted the resignation from service of the following officers with effect from the afternoon of the dates indicated against their names :—

Sl. No., Name and Designation at the time of resignation  
& Date

1. Shri V. G. Gowri Sankar Engineer SB—23-2-1979.
2. Shri R. S. Sethuraman, Engineer SB—1-5-1979.

M. P. R. PANICKER  
Administrative Officer-II

### MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 19th July 1980

No. A31013/2/78-E.I.—The President has been pleased to appoint the undermentioned two officers to the post of Deputy Director General, in a substantive capacity, in the same post, in the Civil Aviation Department with effect from the dates mentioned against each:—

1. Sh. G. R. Kathpalia—3-5-1977
2. Shri P. K. Ramachandran—23-2-1980

C. K. VATSA,  
Asstt. Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 16th July 1980

No. A. 12025/8/76-F.I.—The President is pleased to appoint S/Shri R. Chinna Durai and Kuldip Rai, Sr. Technical Assistants, to the grade of Scientific Officer, Civil Aviation Department on an officiating basis, in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 w.e.f. 28-6-80 and until further orders.

C. K. VATSA,  
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 29th July 1980

No. A.38013/1/80-EC.—Shri Shyam Lal, Assistant Communication Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi relinquished charge of office on 30-6-80 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation.

No. A.39012/5/80-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri S. K. Seth, Communication Officer, Aeronautical Communication Office, Bombay Airport with effect from 6-7-80 (AN).

The 31st July 1980

No. A.31011/1/79-EC.—The President has been pleased to sanction substantive appointment of the undermentioned officers in the grade of Deputy Director/Controller of Communication in the Civil Aviation Department with effect from 28-2-1980:—

1. Shri S. Majumdar
2. Shri S. Balaram
3. Shri T. S. Venkataraman
4. Shri S. C. Majumdar
5. Shri K. V. N. Murthy
6. Shri R. S. Goela

R. N. DAS,  
Assistant Director of Administration.

#### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 30th July 1980

No. 1/107/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. S. Gakhar, Technical Assistant, Ahmed Satellite Earth Station, Lachhivala, Dehra Dun, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same station for the period from 21-5-79 to 30-6-79 and from 14-1-80 to 23-2-80, against short-term vacancies, purely on *ad-hoc* basis.

No. 1/109/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G. R. Gogia, Technical Assistant, Ahmed Satellite Earth Station, Lachhivala, Dehra Dun, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 14-5-79 to 23-6-79, against short-term vacancy, purely on *ad-hoc* basis.

No. 1/112/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. Dattatri, Technical Assistant, Arvi Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 25-2-80 to 5-4-80, against short-term vacancy, purely on *ad-hoc* basis.

No. 1/295/80-EST.—Shri K. K. Swamy, Traffic Accounts Officer, Headquarters Office, Bombay, retired from service on the afternoon of the 31st March, 1980, on attaining the age of superannuation.

P. K. G. NAYAR  
Director (Admn.)  
for Director General

#### VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM

##### MAHAVIDYALAYA,

Dehra Dun, the 31st July 1980

No. 16/362/80-Ests-I.—On the expiry of his term of deputation, the services of Shri K. C. Goyal, Accounts Officer, FRI & Colleges, have been replaced at the disposal of the Accountant General, Rajasthan, Jaipur, with effect from the afternoon of 3rd June, 1980.

R. N. MOHANTY  
Kul Sachiv,

Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya.

#### DIRECTORATE OF O & M SERVICES,

##### CUSTFMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 19th July 1980

No. 1/80.—Shri S. N. Shukla, Junior Analyst of Staff Inspection Unit, Department of Expenditure, Ministry of Finance, New Delhi assumed charge of the post of Junior Analyst in the Directorate of O&M Services, Customs & Central Excise, New Delhi, w.e.f. 14th July, 1980 (FN).

K. J. RAMAN  
Director

#### DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT,

##### CUSTOM & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 5th August 1980

No. 25/80.—Shri P. K. Sen Gupta, relinquished Charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at New Delhi on 23-6-80 (A.N.) and assumed Charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'A' in the East Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at Calcutta on 5-7-80 (Forenoon).

K. L. REKHI  
Director of Inspection

#### CENTRAL EXCISE COLLECTORATE : M.P.

Indore, the 30th July 1980

No. 11/80.—Consequently upon the recommendation of U.P.S.C. Vide their letter No. F.I/2/79-RD, dated 28-9-79, and our Establishment Order No. 86/80 (C. No. II(31)6-Con/79, dated 28-6-80) Shri Shrinarayan Shrivastava has assumed charge as Superintendent (Textile Engineering) Group 'B', Central Excise, Hqrs. Office, Indore, in the forenoon of 14-7-80.

No. 12/180.—Consequent upon his promotion as Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' Shri K. R. Yelkwar has assumed charge as Administrative Officer, Central Excise, Divisional Officer, Jabalpur, in the forenoon of 21-7-80.

S. K. DHAR  
Collector

#### MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

##### DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-38, the 30th July 1980

No. I-Tr(6)/79.—The President is pleased to appoint Capt. A. Almedia, an officer on deputation from the Shipping

Corporation of India, Bombay as Nautical Officer on the T. S. Rajendra, Bombay on an *ad hoc* basis w.e.f. 11-7-1979 (F.N.) until further orders.

K. S. SIDHU

Dy. Director General of Shipping

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Chetana Udyama Sangha Private Ltd.*

Bangalore, the 28th July 1980

No. 1416/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Chetana Udyama Sangha Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of*

*Polymers and Chemicals Private Ltd.*

Bangalore, the 28th July 1980

No. 2268/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Polymers and Chemicals Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of*

*M/s. Sandhymisar Exports Private Ltd.*

Bangalore, the 28th July 1980

No. 3191/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sandhymisar Exports Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI  
Registrar of Companies,  
Karnataka, Bangalore.



FORM ITNS — —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th August 1980

Ref. No. GRG/20/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House on plot No. 964 in sector 4, Urban Estate situated at Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. D. Madan, 14/E/36,  
East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

- (2) Shri U. B. S. Rao, 69 New Colony, Gurgaon.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house on plot No. 964 situated in Sector 4, Urban Estate, Gurgaon and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 3190 dated 15-11-1979 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 5-8-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th August 1980

Ref No. KNL/44/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A plot with shop opposite situated at Civil Hospital, Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Karnal in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vikas and Shri Romi (Minor) through Shri Satpal Cambhir father and Natural guardian, R/O 276 Model Town, Karnal.

(Transferor)

- (2) Dr. Madan Gopal Vishavbandhu S/O Shri Madho Parshad, R/O Karnal, Near Civil Hospital, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property being plot with shop situated at opposite Civil Hospital, Karnal and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 5252 dated 10-12-1979 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 5-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th August 1980

Ref. No. KNL/45/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 453 kanals 6 marlas situated at Vill. Jundla Teh. Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Balraj Krishan Kapoor, Balbir Krishan Kapoor, Baljit Krishan Kapoor sons of Shri Mahatij Krishan Kapoor R/O N-1/15 Friends Colony, New Delhi, 31 Rajput Road, Delhi, 2-4/7, Upper Palace, Bangalore.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Narain Singh S/O Sh. Kishan Singh, R/O Jundla  
2. Shri Mukand Lal S/O Tulsi Ram R/O Jundla  
3. Sh. Nirmal Dass S/O Sh. Munshi Ram R/O Vill. Jundla Teh. Karnal.  
4. Sh. Natha Singh S/O Ganda Singh R/O Jundla

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 453 kanal 6 marla situated at Village Jundla and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5538 dated 21-12-1979 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 5-8-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 5th August 1980

Ref. No. KNL/46/79-80.—Whereas J. G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 78 kanal 8 marla situated at Village Jundla Teh Karnal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Botha Ram Attorney of Shri Ramesh Chander, Satish Chander & Meena Parkash, Sheela Ds/O Sh. C. N. Chawla R/O New Delhi.

(Transferor)

- (2) S/Shri Prem Chand, Jia Lal, Mohinder S/O Shri Birbal & Babu Ram, Ishwar Singh, Sewa Ram, Siri Ram S/O Shri Phool Singh, Vill. Hathlana, Teh. Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

Property being land measuring 78 kanal 8 marla situated at Village Jundla Teh. Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5622 dated 27-12-1979 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 5-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Wazir Chand S/O Shri Kishori Lal  
R/O Ismailabad Teh. Thanesar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th August 1980

Ref. No. TSR/13/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. A shop situated at Ismailabad Teh. Thanesar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Thanesar in Jan. 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

15—206GI/80

(2) Smt. Krishnawati W/O Shri Hari Charan Dass,  
Anaj Mandi, R/O Ismailabad Teh. Thanesar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being shop situated at Anaj Mandi, Ismailabad  
Teh. Thanesar and as more mentioned in the sale deed regis-  
tered at No. 4639 dated 24-1-1980 with the Sub Registrar,  
Thanesar.

G. S. GOPALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 5-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Dina Nath Rawal S/O Shri Gopi Ram Rawal,  
House No. 84-A, Model Colony, Yamuna Nagar.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Denesh Kumar Sharma S/O Shri Hari Ram  
Shashtri, H. N. 450-B, Barhwali Gate, Jagadhari at  
present H. No. 84-A, Model Colony, Yamunanagar.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Rohtak, the 5th August 1980

Ref. No. JDR/25/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/-

and bearing

No. House No. 84-A, situated at Model Colony, Yamuna-  
nagar

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
at Jagadhari in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the  
fair market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said Instrument of transfer with the  
object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being house No. 84-A situated at Model Colony,  
Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed regis-  
tered at No. 5497 dated 29-2-1980 with the sub-registrar,  
Jagadhari.

G. S. GOPALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 5-8-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sat Pal Mehta S/O Shri Chiranji Lal Mehta  
R/O Khizarabad Teh. Jagadhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Rattan Lal S/O Shri Rulia Ram  
R/O Vill. Khizarabad Teh. Jagadhari.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th August 1980

Ref. No. CHHL/2/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Double storeyed building situated at vill. Khizarabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chhichhroli in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being double storeyed building situated in village Khizarabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 139 dated 26-5-1980 with the Sub Registrar, Chhichhroli.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 25th July 1980

Ref. N. Ac-15/R-II/Cal/80-81.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/1, situated at Kabitirtha Sarani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Ashit Kr. Ghosh.

(Transferor)

(2) Mahmood Alom &amp; Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8-K, 11-Ch. 18-Sq. Ft. situated at 12/1, Kabitirtha Sarani, Calcutta-23, under P. S. Watgunj. More particularly described in deed No. 6089.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 25-7-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) M/s. John Fowler (India) Ltd.

(2) M/s. Gillanders Arbuthnot &amp; Co. Ltd.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 25th July 1980

Ref. Ac-16/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Netaji Subhas Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1-B, 10-K, 6-CH. 20-Sq. ft. situated at 333/309, Mahatma Gandhi Road Calcutta under P.S. Behala more particularly described in deed No. 6192 dated 30-11-79.

K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 25-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 4th August 1980

Ref. Ac-18/R-II/Cal/80-81.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75 situated at Hemnaskar Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Homestead Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Chandra Chaudhuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 182.489 sq. Mtrs. situated at 75, Hemnaskar Road, Calcutta-10, under P.S. Beliaghata. More particularly described in deed No. 5822 dated 9-11-1979.

K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 4-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Tafariullah.

(Transferor)

(2) Smt. Jabeda Khatoon.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 4th August 1980

Ref. No. Ac-19/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 132 situated at Shiempukur Lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 29-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 6K, situated at Block Q, 132, Shiempukur, Lane, Calcutta-24, under P.S. Metiabruz. More particularly described in deed No. 5279 dated 29-11-1979.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 4-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1980

Ref. No. ASR/80-81/77.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property in Friends Colony Tylor Road, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. R. P. Sethi S/o Sh. Krishan Dasg Sethi R/o 50-C Friends Colony New Delhi No 11 now Friends Colony No. 3, Amritsar.  
(Transferor)

(2) Smt. Sushila Rani W/o Nand Lal R/o 3 Tylor Road, Friends Colony Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One building on area of 416 2/3 sq. mtrs situated in Friends Colony, 3-C, Tylor Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2214/1 dated 2-11-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN (IRS)  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.  
3, Chandpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 30-6-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar the 12th July 1980

Ref. No. AIR/80-81/78.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property No. 13-A Jail Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
16—206GI/80

(1) Shm., Balwant Kaur wd/o Bholu Singh, Shmt. Jagdish Kaur Wd/o Gopal Singh, Gurbachan Singh s/o Gopal Singh, S. Pritpal Singh s/o Gopal Singh r/o Jail Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Ujjal Singh s/o Kishan Singh No. 360/367 G.T. Road, Delhi House No. 13-A min Kh. No. 96, Jail Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenants(s) if any  
(Person(s) in occupation of the Property)(4) Any other  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 354 Sq. yds. (No. 13-A) situated at Jail Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2324/I dated 13-11-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, AmritsarDate : 12-7-1980  
Seal :

## FORM 11NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1980

Ref. No. ASR/80-81/79.—Whereas, I,

M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one plot of land situated at Sultanwind Rd. Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Gurdial Singh & Satnam Singh ss/o Sh. Dhanna Singh r/o VII. Sultanwind Teh Amritsar through Sh. Karnail Singh real brother and mukhtar-aam. (Transferor)
- (2) M/s. S. R. K. Textiles. 193-Basant Avenue, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenants(s) if any (Person in occupation of the property).
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 2030 sq mtrs. Khasrano. 558 & 556 situated on G. T. Road (Behind OTC carpet) towards Jullundur between 5-6 km stone Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4893 dated 26-11-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-7-1980.

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1980

Ref. No. ASR/80-81/80.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing one plot of land at Sultanwind Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR, Amritsar in November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :—

- (1) Sh. Karnail Singh s/o Dhanna Singh r/o Vill. Sultan Tehsil Amritsar.  
(Transferor)
- (2) M/s. S. R. K. Textiles 193, Basant Avenue, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenants(s) if any  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1115 sq. mtrs Khasra No. 559 & 556 situated on G. T. Road (Behind OTC Carpet) towards, Jullundur between 5-6 km stone Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4894 dated 26-11-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 10th July 1980

Ref. No. ASR/80-80/81.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land in Green Avenue situated at SR Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chairman Improvement Trust Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Sh. Nandan Lal Bhotika, son of Sh. Gauri Shankar, resident of 38-A, Green Avenue, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land No. 381-A measuring 1190 sq. yds situated in Green Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2315/I dated 13-11-1979 of the Registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 10-7-1980.

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 8th July 1980

Ref. No. ASR/80-81/82.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated on Jail Road, Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shmt. Balwant Kaur wd/o Bholu Singh, Shmt. Jagdish Kaur wd/o Gopal Singh &amp; Gurbachan Singh s/o Gopal Singh, Pritpal Singh s/o Gopal Singh r/o Jail Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Kanwarjit Singh s/o Surjan Singh r/o Chowk Baba Sahib, Amritsar.

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).

(4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot No. 13-A minkhasra No. 96 situated on Jail Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2294/1 dated 9-11-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
3, Chanderpuri Tylor Road, AmritsarDate : 8-7-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1980

Ref. No. ASR/80-80-81/83.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. one property in Paris Town, Amritsar.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Darshan Lal s/o Kartar Chand 2351/20, K Gali No. 3, Nawankot, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Vijay Kumar Soni s/o Richpal Chand, Jagdish Kumar Vinod Kumar 3560/18, Paris Town, Batala Road, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One building constructed on plot No. 492-493, Khalsa No. 492 min. 493 min at Paris Town Amritsar Batala Road near Vijay Nagar, as mentioned in the sale deed No. 4547 dated 7-11-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.

Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date 17/7/1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1980

Ref. No. ASR/80-81/84.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share of house in Ktr. Bhai Sant Singh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Raj Kumar s/o Harjas Rai r/o Ktr. Sant Singh Amritsar.  
(Transferee)
- (2) Shmt. Santosh Thapa w/o Sh. Radha Mohan & Phulan Rani w/o Sh. Har Jas Raj r/o Ktr. Bhai Sant Singh Amritsar.  
(Transferor)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any  
Sh. Shashi Pal Kapur (Tailors) 2. M/s. Chawal Refrigeration Engineer & M/s. Chawal Refrigeration Engineers.  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One half share in H. No. 638/10-4 situated in Katra Bhai Sant Singh Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2276/T dated 8-11-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 17-7-80.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1980

Ref. No. ASR/BJA/80-81/85.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated on Dera Road, Batala. (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in November 1980. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Balbir Singh & Amarbir Singh Advocate ss/o Sh. Inder Singh r/o Batala.
- (2) S/Shri Tarsem Lal Hira Lal Davinder Kumar ss/o Puran Chand r/o Batala.

(Transferor)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 12 kanals 15 marlas situated on Dera Road Batala as mentioned in the sale deed No. 5138 dated 9-11-79 of the registering authority Batala.

M. L. MAHAJAN IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 17-7-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1980

Ref. No. TT/ASR/80-81/86.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land in Vill. Sangar Teh. Tarn Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Tarn Taran on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—206GI/80

- (1) Shmt. Piaro wd/o Ajit Singh r/o Bania Tehsil Taran Taran.

(Transferor)

- (2) S/Shri Ajit Singh Jaswant Singh, Kulwant Singh, Balkar Singh ss/o Sh. Dalip Singh s/o Ganga Singh & Malook Singh, Jaswant Singh s/o Harbans Singh r/o Vill. Mughlani Teh. Taran Taran.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).  
(4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46 K 5 M situated in village Sangar Teh. Taran Taran as mentioned in the sale deed No. 4714/dated 2-11-79 of the registering authority Taran Taran.

M. L. MAHAJAN IRS.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,

3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 17-7-1980.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-**  
**SIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE,**  
**AMRITSAR**

Amritsar, the 17th July 1980

Ref. No. ASR/80-81/87.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property at Katra Parja, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Duni Chand s/o Chand s/o Chandu Ram r/o Bazar Kathian Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Smt. Uma Rani w/o Sh. Nand Lal r/o Katra Parja, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/2 share in house No. 399/7 situated in Katra Garba Singh Gali Devi wali as mentioned in the sale deed No. 2212/I dated 2-11-79 of the registering authority Amritsar.

**M. L. MAHAJAN IRS.**  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range,  
 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 17-7-1980.  
 Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1980

Ref. No. ASR/80-81/88.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated at Katra Garba Singh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. AMRITSAR, in December 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Duni Chand s/o Chandu Ram r/o Bazar Kathianwala, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Smt. Uma Rani w/o Sh. Nand Lal r/o Katra Parja, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of house No. 399/7 situated at Katra Garba Singh Gali Devi Wali, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2576/I 12-12-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 17-7-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1980

Ref. No. ASR/80-81/89.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing one property on Jail Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Balwant Kaur wd/o S. Bholu Singh, S. Gurbachan Singh s/o Gopal Singh Shmt. Jagdish Kaur wd/o Gopal Singh & S. Pritpal Singh s/o Gopal Singh r/o 1-Jail Road, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Dr. Raj Madan w/o S. Ajit Singh r/o 322/3 Railway colony Delhi now 13-A Old Jail Road, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house No. 13-A situated on Jail Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2232/1 dated 5-11-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 17-7-1980.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1980

Ref. No. ASR/80-81/90.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing one property on Jail Road, Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sh. Gurbachan Singh s/o Gopal Singh & Smt. Jagdish Kaur wd/o Sh. Gopal Singh, Pritpal Singh s/o Gopal Singh & Smt. Balwant Kaur wd/o Bhola Singh r/o 1-Jail Rd, Amritsar. (Transferor)  
(2) Miss Jagrai Kaur d/o Narinder Singh r/o 13-A Jail Road, (Old) Amritsar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house (area 257.60 sq. yds.) No. 13-A situated on Jail Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2213/1 dated 2-11-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 17-7-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE U/S 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 25th July 1980

Ref. No. ASR/80-81/91.—Whereas, I, M. L.

MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property in Vijay Nagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raj Kumar, Kailsh Chander ss/o Badri Narain House No. 156 Gali No. 4, Vijay Nagar, Btl Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Surjit Singh s/o Bhagat Singh r/o Plot No. 8, Vijay Nagar. Gali No. 4, Batala Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenants(s) if any [Person in occupation of the property].

(4) Any other [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One property consisting of plot of area 513 sq. yds situated in Gali No. 4, Vijay Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4721 dated 16-11-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range,

3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 25-7-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Maj. Gen. Gurbaksh Singh, Padam Shri, DSO, OBE (Retd.) S/o Late S. Harnam Singh, 52, Sector 16A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Amar Nath Kohli S/o Sh. Harnam Dass Kohli, R/o House No. 58, Grain Market, Chandigarh.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/302/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 33% share in Plot No. 136, situated at Sector 28A, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

33% share in Plot No. 136, Sector 28A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1747 of Nov., 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15th July 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Major Gen. Gurbaksh Singh, Padam Shri D.S.O.  
OBE (Retd.) 52, Sector 16A, Chandigarh.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Kumar Kohli S/o Sh. Harnam Dass,  
R/o 58, Grain Market, Chandigarh.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/400/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 34% share in Plot No. 136 situated at Sector 28A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Nov. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

34% share in Plot No. 136, Sector 28A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1745 of Nov., 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15th July 1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Maj. Gen. Gurbaksh Singh, Padam Shri D.S.O. OBE (Retd.) S/o Late S. Harnam Singh, 52, Sector 16A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Partap Kohli S/o Shri Harnam Dass Kohli, 58, Grain Market, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. CHD/301/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 33% share in Plot No. 136, situated at Sector 28A Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Nov., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

33% share in Plot No. 136, Sector 28A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1746 of Nov., 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

## THE SCHEDULE

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
18—206GI/80.

Date : 15th July 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/316/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 1106, situated at Sector 34C, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh. in November 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Charanjit Singh Grewal S/o Sh. Ajaib Singh Grewal, Kharar through special power of attorney Sh. V. P. Sood S/o Sh. Thakur Dass r/o House No. 1130, Sector 18C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Inderjit Bedi S/o Shri Dayal Singh & Smt. Sheela Wanti W/o Sh. Inderjit Bedi, R/o House No. 9, Sector 33A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1106, Sector 34C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1799 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15th July 1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/309/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 1596 situated at Sector 33D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. M. L. Sachdev  
S/o Shri Mohan Singh  
R/o SCO 8-9, Sector 17B, Chandigarh,  
through his general power of attorney  
Shri Avtar Singh  
S/o Shri Kundan Singh,  
R/O SCO 8-9, Sector 17B, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Shri Jagdish Singh Ghuman  
S/o Shri Lachman Singh,  
through Attorney Major Chandan Singh  
R/o 649, Sector 33B, Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Residential Plot No. 1596, Sec. 33 D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1765 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.Date : 15-7-1980  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/304/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHANDInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

House No. 1166 situated at Sector 18C, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Chandigarh in November, 1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of . . .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Sant Ram  
S/o Shri Tulsi Ram  
R/o House No. 304, Sector 33A,  
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Lal Kapoor  
S/o Shri Ishwar Dass Kapoor,  
2. Shri Parhlad Kapoor  
S/o Shri Ram Lal Kapoor,  
3. Shri Chander Mohan Kapoor  
S/o Shri Ram Lal Kapoor,  
all R/o House No. 1166, Sector 18C,  
Chandigarh.

(Transferee)

- (3) Shri Shanti Lal Manjal  
R/o House No. 1166, Sector 18C,  
Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential House No. 1166, Sector 18C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1756 of  
November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/315/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 3081 situated at Sector 35D, Chandigarh,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Cap. Gurkirpal Singh Dhillon  
S/o Major Mohinder Singh Dhillon  
R/o B-5/21, Safdar Zang Enclave,  
New Delhi, through special power of attorney  
Smt. Raminder Kaur  
W/o Shri Bhagat Singh,  
R/o House No. 102, Sector 36A, Chandigarh.  
(Transferor)

- (2) Miss Bhupinder Kaur  
D/o S. Mehar Singh,  
R/o House No. 3403, Sector 35D, Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3081/Sector 35D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1794 of  
November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.Date : 15-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/336/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential Plot No. 3024 situated at Sector 35D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ex-Cap. Surinder Kumar  
S/o Shri Charanji Lal,  
R/o House No. 259, Nimeri Colony, Delhi-52,  
through his special power of attorney  
Shri Brij Mohan Handa  
S/o Shri Sant Ram Handa  
R/o H. No. 318/11-4, Kucha Mishar Mahabali  
Partap Bazar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Sharda Handa  
W/o Shri Brij Mohan Handa,  
H. No. 318/11-4, Partap Bazar,  
Kucha Mishar Mahabali, Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3024, Sector 35D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1876 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1980

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/339/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter re-  
ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 1684 situated at Sector 34D, Chandigarh  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at

Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Rattna Kishore Johrey  
S/o Shri N. K. Johrey  
R/o C-12, Rampur Garden,  
Bareilly, through his general power of attorney  
Smt. Satya Wati  
W/o Shri Shambhu Ram  
R/o S.C.R. 16, Sector 23C, Chandigarh.  
(Transferor)

(2) Shri Gian Chand Verma  
S/o Shri Shambhu Ram,  
R/o SCF No. 16, Sector 23C, Chandigarh.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1684, Sector 34D, Chandigarh.

The property as mentioned in the sale deed No. 1879 of  
December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/335/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 1725 situated at Sector 33D, Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Lt. Col. Kamaljit Singh  
S/o Shri Harbans Singh  
R/o V & PO Toosey, Tehsil Jagraon,  
(Transferor)

(2) Smt. Kartar Kaur Dhaliwal  
W/o Shri Inder Singh Dhaliwal,  
R/o Vali PO Toosey, Tehsil Jagraon,  
Distt. Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Residential Plot No. 1725, Sector 33D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1870 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/328/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential Plot No. 512, situated at Sector 33B, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
19—206GI/80

(1) Major Gen. Jasbir Singh Nanda  
S/o Shri Gobind Singh Nanda  
C/o Headquarters Eastern Command,  
Calcutta.

(Transferor)

(2) Mrs. Sushma  
D/o Late Shri Vasudev,  
R/o 1161, Sector 15B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 512, Sector 33B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1840 of November 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1980  
Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/325/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 157 situated at Sector 36A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Lt. Col. Miss Krishan Jit Kaur  
D/o Late Shri Chanan Dass Bajaj,  
R/o C-311, Defence Colony, New Delhi,  
through her general power of attorney  
Col. Hari Singh  
S/o Late Shri Amir Singh,  
R/o C-311, Defence Colony, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Surjit Kaur  
W/o Late Shri Mohan Singh,  
R/o House No. 2840, Sector 37C, Chandigarh,  
through her general power of attorney  
Shri Labh Singh  
S/o Shri Mangal Singh,  
R/o House No. 2840, Sector 37C, Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 157, Sector 36A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1826 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Kuldip Singh  
S/o Shri Jaswant Singh,  
R/o 1275, Sector 21B, Chandigarh.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/326/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, Plot No. 1229, situated at Sector 34C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Sohinder Pratima  
W/o Shri Kulbir Singh,  
R/o 42, Model Town, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1229, Sector 34C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1831 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/318/79-80.—Whereas, I,

SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 122, situated at Sector 33A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Subedar Niranjn Singh  
S/o Shri Ganesha Singh  
R/o V. Dhanaulal P.O. Manela Via Khamanon,  
Distt. Ropar  
through his special power of attorney  
Capt. Vinod Choudhry,  
R/o House No. 1277, Sector 34C, Chandigarh.  
(Transferor)

- (2) Shri Anil Choudhry  
S/o Shri Sham Lal Choudhry  
R/o V.&P.O. Rahon, Teh. Nawanshehar,  
Distt. Jullundur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 122 Sector 33A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1809 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1980

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri J. L. Sharma  
S/o Shri Rup Lal Sharma  
R/o House No. 3277, Sector 35-D, Chandigarh.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shashi Prabha Chaudhary  
W/o Shri Om Kumar Chaudhary,  
R/o House No. 1212, Sector 22B, Chandigarh.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. CHD/314/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Residential Plot No. 3373 situated at Sector 35D, Chandigarh  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Chandigarh in November, 1979

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Residential Plot No. 3373, Sector 35D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1786 of  
November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 15-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/306/79-80.—Whereas, I,  
**SUKHDEV CHAND**  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
Residential House No. 153, situated at Sector 27A,  
Chandigarh  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Chandigarh in November, 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) Mrs. Tara Dudeja  
R/o House No. 155, Golf Link, New Delhi-3,  
through her general attorney  
Shri Jagan Nath Dudeja  
S/o Shri Gulab Rai Dudeja  
R/o House No. 155, Golf Link, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) S. Darshan Singh  
S/o Shri Sunder Singh  
R/o House No. B-257, Naraina Industrial Area,  
Phase-I, New Delhi.  
(Transferee)
- (3) Shri Shadi Lal Sharma  
R/o House No. 153, Sector 27A, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential House No. 153, Sector 27A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registration deed No.  
1761 of November, 1979 of the Registering Authority,  
Chandigarh).

**SUKHDEV CHAND,**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/321/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 1844 situated at Sector 34D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Major Chander Mohan Anand  
S/o Shri Tek Chand Anand  
R/o 6/1, Staff Road, Ambala Cantt.

(Transferor)

- (2) S/Shri Kulvinder Singh and  
Simerjit Singh,  
Ss/o Shri Inderjit Singh Sekhon. &  
Miss Kulwant Kaur  
D/o Shri Sarup Singh,  
R/o Kamana Gate, Faridkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1844, Sector 34D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1822 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/308/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Booth No. 106, situated at Sector 28D, Chandigarh,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at  
Chandigarh in November, 1979  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Mrs. Balbir Kumari  
W/o Shri Tarsem Chand,  
R/o 10, Hem Kunt, New Delhi  
through Col. Thakur Singh  
S/o Shri Dayal Singh,  
R/o 65, Sector 8-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Kamaldeep Singh &  
Shanandeep Singh  
Ss/o Shri Dulip Singh  
R/o House No. 3034, Sector 19D,  
Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri Amar Nath  
R/o SCO 121, Sector 28-D, Chandigarh.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Booth No. 106, Setor 28D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1764 of  
November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. LDH/480/79-80.—Whereas, I,  
**SUKHDEV CHAND**  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Plot measuring 398 sq. yards situated at behind Ravi Cold  
Store, Civil Lines, Ludhiana,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ludhiana in November, 1979  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :

20—206 GI/80

- (1) Shri Brij Mohan Malhotra  
S/o Shri Nathu Ram Malhotra  
S/o Shri Ram Chand Malhotra  
R/o Lahori Gate, Kapurthala  
now at 116, Bharat Nagar, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Chaman Lal Tangri  
S/o Shri Rattan Chand  
R/o 49/22, Harpal Nagar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 398 sq. yards, situated behind Ravi Cold  
Storage, Civil Lines, Ludhiana.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 3930 of  
November, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/362/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHANDInspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 1144 situated at Sector 18C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harbans Singh  
S/o Shri Bahadur Jogjodh Singh Paintal,  
House No. C 7/7, Vasant Vihar,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Bhagwant Rai Arora  
S/o Shri Bihari Lal,  
R/o House No. 1144, Sector 18C, Chandigarh. (Transferee)
- (3) Shri Adarsh Kohli,  
R/o House No. 1144, Sector 18C,  
Chandigarh. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential House No. 1144, Sector 18C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1948 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/320/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHANDInspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhianabeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingPlot No. 3316, situated at Sector 35D, Chandigarh,  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Chandigarh in November, 1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Charan Dass Gupta  
S/o Shri Diwan Chand,  
R/o 3034/23D, Chandigarh  
through his special power of attorney  
Shri Charan Dass Mahajan,  
S/o Shri Brij Lal  
House No. 3034/Sec. 23D, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Ujagar Singh,  
S/o Shri Chamba Singh &  
Shri Jaswant Singh  
S/o Shri Ujagar Singh,  
both R/o V. Bhagomajra, Distt. Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
**45 days from the date of publication of this notice**  
**in the official Gazette or a period of 30 days from**  
**the service of notice on the respective persons which-**  
**ever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immov-  
**able property, within 45 days from the date of the**  
**publication of this notice in the Official Gazette.**

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 3316, Sector 35D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1817 of  
November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-7-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/341/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHANDInspecting Assistant Commissioner of income-tax  
Acquisition Range, Ludhianabeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingResidential Plot No. 1729 situated at Sector 33D, Chandigarh,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Chandigarh in November, 1979,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have  
not been or which ought to be disclosed by  
the transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said  
Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—(1) Lt Col. Madan Mohan Parti  
S/o Shri Dina Nath Parti  
R/o C-2/52, Moti Bagh, New Delhi.

(Transferors)

(2) Smt. Daljit Kaur  
W/o Shri D. S. Marwaha,  
R/o House No. 1542, Sector 22B, Chandigarh.  
(Transferee)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette or  
a period of 30 days from the service of  
notice on the respective persons, whichever  
period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1729, Sector 33D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1884 of  
November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).SUKHDEV CHAND,  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1980

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. KHR/35/79-80.—Whereas, I, **SUKHDEV CHAND** Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 632, situated at Phase-II, S.A.S. Nagar, Mohalli, Distt. Ropar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kharar in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Balbir Kaur Ahluwalia and  
Shri Y. P. Ahluwalia  
R/o 2538 Sector 35C, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Shri Hakam Singh Verma  
S/o Shri Jai Singh,  
R/o Plot No. 632, Phase-II, Mohali.  
or  
R/o 17 Hillside Drive Kings Hurst,  
Birmingham, West Middeldege B37-6 NG.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 632, Phase-II, S.A.S. Nagar, Mohali.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 3426 of November, 1979 of the Registering Authority, Kharar).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-7-1980

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Mohinder Singh  
S/o Shri Chanan Singh  
R/o Village Daba, Tehsil Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) M/s. Oswal Woollen Mills Ltd.,  
G.H. Road, Ludhiana.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. LDH/459/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Land measuring 1-0-17 Bighas situated at Village Daba,  
Tehsil Ludhiana,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering officer at  
Ludhiana in November, 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1-0-17 Bighas at Village Daba, Tehsil  
Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3694 of  
November, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-7-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Dalhara Singh

S/o Shri Chanan Singh  
R/o Village Daba, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s. Oswal Woollen Mills Ltd.,  
G.H. Road, Ludhiana.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. LDH/576/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Land measuring 1-0-17 Bighas situated at Village Daba,  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in res-  
pect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the 'said Act'  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1-10-17 Bigha at Village Daba, Tehsil  
Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4962 of  
February 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-7-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. LDH/573/79-80.—Whereas, I,

SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 1 B-OB—17 B

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohinder Singh  
S/o Shri Chanan Singh  
R/o Village Daba, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

- (2) M/s. Oswal Woollen Mills Ltd.,  
G.T. Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Land measuring IB-OB 17B situated in Village Daba, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4961 of February, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-7-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. LDH/458/79-80.—Whereas, I,

**SUKHDEV CHAND**Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 1-0-17 bighas situated at village Daba Teh. &amp; Dist. Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—206GI/80

- (1) Shri Dalbara Singh  
S/o Shri Chanan Singh  
R/o Village Daba, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

- (2) M/s. Oswal Woollen Mills Ltd.,  
G.T. Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 1-0-17 Bighas at Village Daba, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3693 of November, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

**SUKHDEV CHAND,**

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. LDH/487/79-80.—Whereas, I,

SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhianabeing the Competent Authority under Section 269 B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.SCF No. 4-I, (Municipal No. B-XX-1195/226) situated at  
Sarabha Nagar, Ludhiana(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
Ludhiana in November, 1970for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Mansa Ram  
S/o Shri Devi Chand  
S/o Shri Jagat Ram,  
R/o 54, Shakti Nagar, Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) Smt. Harnam Kaur  
W/o Shri Jagmohan Singh,  
R/o 26-Public Park, Ganga Nagar (Rajasthan).  
(Transferee)
- (3) Superintendent, Customs & Central Excise,  
Range-I, II & III SCF-4-I, Sarabha Nagar,  
Ludhiana.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

SCF No. 4-I, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4047 of  
November, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-7-1980  
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/303/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Plot No. 1878 situated at Sector 34D, Chandigarh,  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Chandigarh in November, 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating at the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

- (1) Shri Kuldip Singh Ghura  
S/o Shri Lajha Singh Ghura,  
through his general power of attorney  
S. Manohar Singh,  
S/o Shri Mota Singh,  
R/o SCO No. 139-141, Sector 17C,  
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) S. Harbans Singh  
S/o Shri Mangal Singh &  
Mrs. Hardyal Kaur  
W/o Shri Harbans Singh,  
R/o House No. 2, Sector 28A,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 1878, Sector 34D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1752 of  
November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/330/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 3296, situated at Sector 35D, Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Harinder Kaur W/o Late Sh. Chandan Singh, Smt. Kuldip Kaur Sandhu W/o Sh. Kulwinder Singh, Smt. Amarjit Kaur W/o Sh. Jagmail Singh, Smt. Bhagwant Kaur W/o Sh. Harsharan Singh through general power of attorney Smt. Harinder Kaur W/o Late Sh. Chandan Singh, R/o House No. 3341/21, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Jawala Parshad Chaurasia S/o Shri Bainsi Parshad Madho, Smt. Lila Wati W/o Shri Jawala Parshad Chaurasia, Shri Naresh Kumar S/o Shri Jawala Parshad all R/o House No. 1069, Sector 18C, Chandigarh. (Transferee)
- (3) Shri Manjit Singh, Shri Madan Lal S/o Shri Jagdish Ram & Shri Manmohan Singh all R/o House No. 3296, Sector 35D, Chandigarh. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 3296, Sector 35D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the Registered deed No. 1851 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.,  
LUDHIANA  
Ludhiana, the 15th July 1980

- (1) Shri Gurbachan Singh  
S/o Shri Ishar Singh  
through his attorney  
Smt. Surjit Kaur  
W/o Shri Gurdev Singh,  
R/o 3264, Sector 19D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Gurdev Singh  
S/o Shri Chhajja Singh,  
R/o House No. 3264, Sec. 19D, Chandigarh  
at present House No. 1747, Sec. 34D, Chandigarh. (Transferee)
- (3) 1. Shri Sunder Singh Sekhon,  
2. Shri Ranjit Singh,  
both R/o House No. 1747, Sec. 34D, Chandigarh. (Person in occupation of the Property)

Ref. No. CHD/342/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential Plot No. 1747 situated at Sector 34D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Residential plot No. 1747, Sector 34D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1886 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/313/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 1025, situated at Sector 37B, Chandigarh. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ashwani Kumar Verma, s/o Sh. Guinda Ram Verma, and Smt. Shoghe Verma w/o Sh. Ashwani Kumar Verma, House No. 1218, Sector 21B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Singh Chawla, s/o Shri Hira Singh, r/o of House No. 1618, Sec. 36D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1025, Sector 37B, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1771 of Nov., 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. LDH/485/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 30-A, measuring 1000 Sq. yds.

situated at Extension Scheme, Indl. Area 'A' Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raj, Kapoor s/o  
Sh. Mukand Lal s/o Sh. Amritsaria Mal Kapoor  
c/o M/s Raj Brother, Raman Market, Ludhiana.  
Now at philli gate, Jagraon.

(Transferor)

- (2) M/s Bindra Industry and Foundry works through  
Sh. Madan Lal r/o 25-A Extension  
Scheme Industrial Area 'A' Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 30-A, measuring 1000 Sq. yds. situated at Extension Scheme, Industrial Area, 'A', Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4025 of November, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Central Revenue Building Ludhiana

Date : 15-7-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. NBA/166/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Property (Area 92 sq. yds.) situated at Sadar Bazar, Nabha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

- (1) Shri Bishan Kumar Malhotra s/o Sh. Shamji Dass Malhotra R/o Puram Nabhi, Nabha now at 189A, Rajauri Garden, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Achhru Ram s/o Sh. Milkhi Ram R/o Purani Nabhi, Nabha, Distt. Patiala. (Transferee)
- (3) (i) Sh. Uttam Chand (Goldsmith)  
(ii) Sh. Surinder Pal Singh  
(iii) Sh. Rattan Lal R/o Purani Nabhi, Nabha [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Property (Area 92 sq. yds.) at Sadar Bazar, Nabha. (The property as mentioned in the sale deed No. 1921 of Nov., 1979 of the Registering Authority, Nabha.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. NBA/168/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property (Area 265. 5/9 sq. yds.)

situated at Purani Nabhi, Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in Nov., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22-206GI/80

- (1) Shri Bishan Kumar Malhotra s/o  
Shri Shamji Dass Malhotra, r/o  
Purani Nabhi, Nabha now at 189A,  
Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Gopal s/o  
Sh. Milkhi Ram s/o  
Purani Nabhi, Nabha, Distt. Patiala.

(Transferee)

- (3) (i) Sh. Uttam Chand (Goldsmith)  
(ii) Sh. Surinder Pal Singh  
(iii) Sh. Rattan Lal  
r/o Purani Nabhi, Nabha.  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House Property (Area 265.5/9 sq. yds.) at Purani Nabhi, Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1923 of Nov. 1979 of Registering Authority, Nabha.

**SUKHDEV CHAND**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. NBA/167/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property (area 51.70 sq. yds.)

situated at Sadar Bazar, Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bishan Kumar Malhotra s/o  
Sh. Shamji Dass Malhotra,  
r/o Purani Nabhi, Nabha now at 189A,  
Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Roshan Lal s/o Shri Milkhi Ram  
s/o Sh. Chhotu Ram  
r/o Purani Nabhi, Nabha.

(Transferee)

- (3) (i) Sh. Uttam Chand (Goldsmith)  
(ii) Sh. Surinder Pal Singh  
(iii) Sh. Rattan Lal

r/o Purani Nabhi, Nabha.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property (area 51.70 sq. yds.) at Sadar Bazar, Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1922 of November, 1979 of the Registering Authority, Nabha.

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

- (1) Shri Labh Singh S/o  
Sh. Daya Singh,  
r/o House No. 701, Sector 22A Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Shri Kanwar Singh s/o  
Sh. Daya Singh,  
r/o House No. 701, Sector 22A, Chandigarh.  
(Transferee)
- (3) 1. Sh. Ved Parkash  
2. Sh. Milkhi Ram  
3. Sh. Nar Singh  
4. Sh. Subash  
5. Sh. Rajinder  
6. Miss Saroj  
7. Pritam Paul  
8. Nirmal Pal  
9. Narinder Pal Singh  
10. Sh. Kanwar Singh  
all r/o H. No. 701, Sector 22-A, Chandigarh.  
[Person in occupation of the property]

Ref. No. CHD/338/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property No. 701 situated at Sector 22 A, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 701, Sector 22A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1878 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/337/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2385 Sector 35-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rajinder Kaur wd/o Late N/Sub. Inder Singh through General Attorney Sh. Sarwan Singh r/o H. No. 65, Sector 21-A, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Smt. Ajmer Kaur w/o Sh. Daulat Ram Bhalla & Sh. Daulat Ram Bhalla s/o Sh. Dasandhi Ram Bhalla r/o H. No. 623, Sector 7-B, Chandigarh.  
(Transferee)
- (3) Sh. Harnam Singh r/o Plot No. 2385, Sector 35-D, Chandigarh.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2385 situated in Sector 35-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1877 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/373/79-90.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 1331,

situated at Sector 34C, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Major Satish Kumar Grover s/o  
Sh. Mool Raj Grover, r/o  
M-23/B, Malwla Nagar,  
New Delhi at present c/o  
Headquarters, C.W.E. Jullundur Cantt. (Pb.)

(Transferor)

- (2) S/Shri Kuldip Singh, Jaspal Singh, Inderjit Singh  
Ss/o Shri Harbans Singh, House No. 1331, Sec. 34C,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1331, Sector 34C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1990 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd July 1980

Ref. No. LDH/456A/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. B-28-3566,

situated at Cheema Park, Model Gram, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kartar Singh s/o Shri Arjan Singh & Smt. Kartar Kaur w/o Shri Kartar Singh r/o B/28/3566, Cheema Park, Model Gram, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Shri Kewal Dhir s/o Shri Hans Raj & Smt. Kanta Rani w/o Kewal Dhir, B-28/3566, Cheema Park, Model Gram, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-28, 3566, Cheema Park, Ludhiana.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 3666 of Nov. 79 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 22-7-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd July 1980

Ref. No. LDH/461A/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. B-XXVIII-3566, situated at Cheema Park, Model Gram, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kartar Singh s/o Shri Arjan Singh & Smt. Kartar Kaur w/o Sh. Kartar Singh s/o B/28/3566, Cheema Park, Model Gram, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Kewal Dhir s/o Shri Hans Raj & Smt. Kanta Rani Dhir w/o Shri Kewal Dhir, B/28/3566, Model Gram, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-XXVIII-3566, Cheema Park, Model Gram, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3729 of Nov., 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 22-7-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th June 1980

Ref. No. AR-II/2892-20/Nov. 79.—Whereas, I, A. H. TEJALE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 282 & 285 of T. P. S. III, C.T.S. No. 120 situated at Village Eksar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Parvatibai S. Thakur & Anr. (Transferor)  
(2) Saikripa Co-op. Hsg. Soc. Ltd. (Transferee)

- (3) 1. Shri Karmbelkar M. Ramkrishna  
2. „ Malvankar Charushila C  
3. „ Hodavadekar Nilkandha A  
4. „ Ghatkar Gopal D  
5. „ Patil Sarla Moreswar  
6. „ Patil Rajani M  
7. „ Kadam Snehilata N  
8. „ Sawant Leena S  
9. „ Parab Sulochana G  
10. „ Naik Ashalata C  
11. „ Francis Antoni G  
12. „ Sawant Vaishali Y  
13. „ Save Dattatraya N  
14. „ Fernandez Perina B  
15. „ More Gulab N  
16. „ Patil Pardeshi S  
17. „ Patil Shridhar L  
18. „ Lele Anuradha A  
19. „ Karve Vaishali R  
20. „ Mahadik Madhuri M  
21. „ Mankame Chitra M  
22. „ Raut Pramila N  
23. „ Salonke Vaman A  
24. „ Chitnis Sharadchandra P  
25. „ Shiv Urmila P  
26. „ Chaudhari Surendra  
27. „ Raut Narendra D  
28. „ Shelar Harishchandra K  
29. „ Patil Magan K  
30. „ Malonkar Harshalata A  
31. „ Palande Sailaja A  
32. „ Sawant Rashimi R  
33. „ Raut Vilmal H  
34. „ Dalvi Hirabai N  
35. „ Gyte Madhuvanti G  
36. „ Chalke Chandana C  
37. „ Phadke Lalit G  
38. „ Pandit Lakshmikanth C  
39. „ Wadekar Pratiba V  
40. „ Belwalkar Rajani R  
41. „ Shri Khairmode Lochana T  
42. „ Satoskar Jaywant R  
43. „ Bantli Uaiwuta S  
44. „ Kondvilkar Maya G

45. Shri Kothare Narayan N
46. „ Tharthare P. R
47. „ Chubal Sanjivani A
48. „ Bhide Gopal Tryembak
49. „ Parab Kamal J
50. „ Wagle Anita S
51. „ Marya Reni Grace
52. „ Patil Dinkar N
53. „ Khadekar Vatsala N
54. „ Shinde Rajaram S
55. „ Kulkarni Sharav M
56. „ Ghaved Vasant G
57. „ Vartak Vimal V
58. „ Chauhan Shashikala D
59. „ Thakur Subhadra M
60. „ Patole Usha B
61. „ Save Pushpa P
62. „ Karnik Sudha D
63. „ Wadekar Bharti M
64. „ Datar Shripad N
65. „ Nabar Mangala S
66. „ Korgaonkar Gurudas B
67. „ Shinde Sarojini R

[Persons in occupation of the property]

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

#### THE SCHEDULE

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S.1178/79 and registered with the Sub-registrar of Bombay on 29-11-1979.

A. H. TEJALE

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Date : 10-6-1980.

Seal ;

## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1980

Ref. No. AR-I.AP.141/80-81.—Whereas, I. P. L. ROONGTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 669 situated at Malabar & Cumballa Hill Divn. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-11-1979 Document No. 653/71, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Maharajkumar Rajendra Singhji Daljit Singh,  
2. H. H. Maharaja Shri Daljitsingh Himmatsingh  
and  
3. H. H. Maharani Manhar Kunverba. (Transferor)
- (2) M/s Unique Enterprises Co-op. Hsg. Soc. Ltd.  
(3) Name of tenants (Transferee)

## Name of tenants

1. Smt. Pushpa S. Chheda
2. Shri R. M. Shastry
3. Shri K. H. Bharmal
4. Smt. Hemlata B. Shroff
5. Smt. Indra B. Lulla
6. Oriental Fire & Gen. Insurance Co. Ltd.
7. Shri J. M. Maneckji
8. Crescent Dyes & Chemicals Ltd.
9. Shri R. S. Chadda
10. C.A.F.I., Ltd.
11. Crescent Dyes & Chemicals Ltd.
12. Shri Ashok Chadda
13. Smt. Asha Mitra
14. C.A.F.I. Ltd.
15. Maharajkumar Rajendra Singhji
16. Maharaja of Idar
17. Shri G.P. Sippy
18. Shri R.G. Sippy

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 653/71 Bom. and registered on 27-11-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

P. L. ROONGTA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-7-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1980

Ref. No. AR-III/AP-349/80-81.—Whereas, I, P. L. ROONGTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 361, S. No. 11, H. No. 6, C.T.S. No. 78, 79 & 80 situated at Kurla Agra Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-11-1979 Document No. S-1157/78, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Tukaram V. Satam.  
2. Smt. Saraswati W/o V. Satam.  
3. Shri Vasudeo V. Satam.  
4. Maya T. Satam.  
5. Sadanand T. V. Satam.  
6. Vijaykumar T. V. Satam.  
7. Vidya T. V. Satam.  
8. Rajesh T. V. Satam.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Khan Akhalagali Khan Hayatalikhan.  
2. Mohamed Anwaralikhan Akhalagali Khan,  
3. Mrs. Hajra Begum W/o Akhalagali Khan.

(Transferees)

## Names of tenants

- (3) 1. Smt. M. M. Kulkarni.  
2. M. Kumar Nair.  
3. M. Kumar Nair.  
4. Shambhoo Shetty.  
5. Shambhoo Shetty.  
6. Latifa Bi Ismail.  
7. Afzal Khan Gafoor Khan.  
8. Hasan Khan Gafoor Khan.  
9. Autu Manilal Shah.  
10. Rajabali Megji Jilani.  
11. Smt. Vijaya Salun.  
12. Wellknown Stationery.  
13. Udham Singh.  
14. Shanker G. Rai.  
15. N. J. Khan.  
16. Jaya Shetty.  
17. Md. Hussein Noormohamed.  
18. Darshan Singh Udham Singh.  
19. Tavab Bi Ainulla Khan.  
20. Abdul Karim Adam.  
21. Z. A. Khan.  
22. P. Shyam Rai Shetty.  
23. Permer Brothers.  
24. Serwer Hussain Khan.  
25. Khan Akhlaq Ali.  
26. Ram Keral Pandey.  
27. S. Rahmat Ali Daulat Ali.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1157/78 Bombay and registered on 14-11-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

P. L. ROONGTA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 11-7-1980:

Seal :

## FORM ITNB

(1) Shrichand Parmanand Hinduja and Naraindas Kanayalal Hinduja.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P &amp; T Officials Co-op. Hsg. Sec. Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th July 1980

Ref. No. AR-II/2907-35/Nov. 79.—Whereas, I A. H. TEJALE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. (J-A, S. No. 8 to 13 situated at Megathane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 28-11-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer has agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## Name of tenants

- (3) 1. Smt. M. M. Kulkarni.
2. Shri D. A. Shringarpure.
3. Shri B. Sudaliyandi.
4. Smt. Aliyamma Yohannan.
5. Smt. Vijaya Sallan.
6. Shri C. B. Redkar.
7. Shri M. V. Mistry.
8. Shri T. N. Kutty.
9. Shri D. N. Balan.
10. Shri S. B. Sawant.
11. Smt. B. Sakuntala.
12. Smt. A. V. Shenoi.
13. Smt. S. R. Mone.
14. Smt. Savitri Amma.
15. Smt. C. Arumugam.
16. Smt. J. B. D'Souza.
17. Smt. M. A. Kripalani.
18. Smt. Santamma P.R.
19. Smt. H. H. Shinde.
20. Smt. M. M. Vasavan.
21. Shri S. M. Melmani.
22. Smt. C. K. Radhammal.
23. Smt. A. M. Pillai.
24. Smt. P. A. Vaidya.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 852/78 and registered on 28-11-1979 with Joint Sub-registrar IV, Bandra, Bombay.

A. H. TEJALE  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 15-7-1980.  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th July 1980

Ref. No. 1511-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C.

CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 17-12-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shanti Devi W/o Late Shri Jagdish Prasad Gupta, Subhash Chand Gupta, Smt. Sushma Rani, Sri Subodh Chand Gupta, Sri Sharad Chand Gupta, Sri Sudesh Chandra Gupta, Smt. Shiva Gupta and Sri Sarvesh Chandra Gupta all sons and daughter of Late Shri Jagdish Prasad Gupta through Smt. Shanti Devi r/o Ciment Road, Dehradun.

(Transferor)

- (2) Smt. Shamlesh Goel w/o Sri Kanwarsen Goel r/o Khatauli, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One House Property with three Shops bearing No. 5 measuring 147.64 Sq. Mtrs. situated at Ciment Road, Dehradun which was sold for Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-7-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th July 1980

Ref. No. 1415-A/Budhana/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 5-12-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Tungal s/o Ramhiya r/o Village Salempur, Majara and Post and Parg. Kandhla, Teh. Budhana, Dist. Muzaffarnagar. (Transferor)
- (2) S/Shri Liyakat and Jaheer s/o Ali Mohammad r/o Malakpur and Mir Hassan s/o Tungal r/o Kandhla, Post and Parg. of any one, Kandhla, Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing Khata No. 275 and Khasara No. 282, measuring 6(III)2-11, situated at Vill. Kandhla, Post and Parg. Kandhla, Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 17-7-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th July 1980

Ref. No. 1574-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 19-12-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prithbi Nath Singh s/o Sri Shiv Sahai Singh, r/o Vill. & Post. Mirai, Distt. Fatehpur, (Transferor)
- (2) Shri Ayodhya Prasad and Abhimanu Yadav s/o Sri Ramadhin Yadav r/o Boodhpur Machharia, Parg. & Distt. Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 1235 measuring 11 Bigha 12 Biswa and bearing No. 1236 measuring 2 Bigha 17 Biswa, situated at Boodhpur Machharia, Kanpur which was sold for Rs. 28,900/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 17-7-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th July 1980

Ref. No. 1609-A/M. Nagar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 18-12-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1917 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Roop Singh s/o Gaban Singh r/o Gandhi Colony, Muzaffarnagar.  
(Transferor)

(2) M/s Khurana Paper Mills through Sri Jagmohan Singh s/o Sardar Bag Singh r/o 81, Bhopa Road, Muzaffarnagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land Khasara No. 695/1 measuring 13 Bigha 18 Biswa, situated at Vill. Mukhiyali, Parg. & Distt. Muzaffarnagar which was sold for Rs. 83,679.75.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 17-7-1980

Seal :

FORM ITNS————

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, KANPUR

Kanpur, the 19th July, 1980

Ref. No. 1476-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 22-12-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely :—  
24—206GI/80

(1) Shri Anil Kumar oel s/o Sri Ved Parkash Goel  
r/o Radhapuri Hapur, Teh : Hapur, Distt : Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Prakash Rani w/o Sri Nath Ram, Smt. Kailash Rani w/o Sri Krishna Dass, Smt. Sarwati Devi w/o Bantram and Smt. Devichhia w/o Sohan Lal r/o Nehru Road, Jaiti, Teh : & Distt. Faridkot (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 37, measuring 1286 Sq. Yds., situated at Salek Chand Awasiak Colony near Gandhi Nagar, Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-7-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 19th July 1980

Ref. No. 1475-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 22-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kastoori Devi w/o Lala Salek Chand Singhal r/o 13, Ramte Ram Road, Ghaziabad (U.P.).  
(Transferor)
- (2) Smt. Parkash Rani W/o Shri Nath Ram, Smt. Kailash Rani w/o Shri Srikrishna Dass, Smt. Saraswati Devi W/o Shri Bant Ram and Smt. Devi-Chha W/o Shri Sohanlal all residents of : Nehru Road Jeetty Teh : and Dist : Faridkot (Punjab) C/o M/s Sachdev Steel Rolling Mills, Post No. 33, South of G.T. Road, Post Box No. 92, Ghaziabad. (U.P.).  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Plot measuring 2368 Sq. Yds., situated at Salek Chand Colony, near Gandhi Nagar, Ghaziabad which was sold for Rs. 1,42,080/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-7-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sardar Pragat Singh s/o Sardar Devidutta Singh r/o Smbhal Hera, Post : Khas, Teh : Jansath, Distt : Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Smt. Sarla w/o Sri Saheb Singh r/o Barwala, Post : Khas, Parg : Baghra, Dist : Muzaffarnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 19th July 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 1611-A/M. Nagar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 21-12-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

One House property bearing No. 464/2, Civil Lines, Muzaffarnagar (South), measuring 350 Sq. Yds., which was sold for Rs. 42,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-7-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 19th July 1980

Ref. No. 1440-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 3-12-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Chitranjan Sharma S/o Sri Chandra Bhan Sharma r/o 97 Right Ganj Garhi (Nai Basti) Kasba: Ghaziabad, Parg : Loni, Teh : & Distt: Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Vidyawati w/o Sri Devidas Mittal r/o Kasba : Begamabad, Parg : Jalalabad, Teh : & Distt : Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two Plots measuring 303 Sq. Yds., situated at Vill : Begamabad Budhana under the limit of Nagar Palika Modi Nagar, Teh : & Distt: Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-7-1980.  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 17th July 1980

Ref. No. 1488-A/Bulandshahar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 10-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Atar Abbas, Asgar Abbas, Ajhar Abbas s/o Nurul Hassan r/o Kasba : Aurangabad, Par : Baran, Distt : Bulandshahar.

(Transferor)

- (2) Smt. Kailash Wati w/o Sri Angad Singh, Ram Pal Singh, Devendra Pal Singh and Krishna Pal Singh s/o Angad Singh r/o Khwajpur, Par : Baran, Teh : & Distt : Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land in four Parts measuring 5(HI)2, situated at Kasba : Aurangabad, Distt : Bulandshahar which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 17-7-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 17th July 1980

Ref. No. 1600-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikandrabad on 26-12-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jileram s/o Shri Kharak Singh r/o Hall Chuharpur-Khadar, Parg : Dankaur, Post : Kasna, Teh : Sikandrabad, Distt : Bulandshahar.  
(Transferor)

(2) Shri Jagdish Singh s/o Shri Gurbachan Singh r/o Govind Sadan Gadaipur, Post : Mahrauli, Distt : Bulandshahar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 231 measuring 20-0-0 Revenue for Rs. 125/-, situated at Vill : Chuharpur-Khadar, Distt : Bulandshahar which was sold for Rs. 22,500/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 17-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 17th July 1980

Ref. No. 1603-A/Sardhana/79-80.—Whereas I, B. C.

CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardhana on 21-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Saiyad Iktadar Hussain s/o Said Alamdar Hussain r/o 430, Chhatta Mumtaj Ali Khair Nagar Bazar, Meerut.

(Transferor)

(2) S/Shri Irfan Ali, Jaman Ali, Ahesan Ali, Aman Ali and Ansar Ali all sons of Mausam Ali r/o Mail, Parg : Daurala, Teh : Sardhana, Distt : Meerut.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agriculture Land measuring 25III 3, situated at Mail, Parg : Daurala, Teh : Sardhana, Distt : Meerut which was sold for Rs. 1,40,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 17-7-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th July 1980

Ref. No. 1605-A/Muzaffarnagar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 6-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Natthu Singh s/o Mangat Singh  
r/o Vill : Boorpur, Post : Khas, Teh : Baghat,  
Distt : Meerut and present address of Sher Nagar,  
Parg : Teh : and Distt : Muzaffarnagar.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Virendra Singh, Subhash, Rajendra Singh  
and Bijendra Singh ss/o Latoo Singh  
r/o Vill : Kookra, Parg : Teh : and Distt :  
Muzaffarnagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land Khasara No. 814, situated at Vill : Sher nagar, Parg : and Distt : Muzaffarnagar which was sold for Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Kanpur

Date : 18-7-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th July 1980

Ref. No. 1601-A/Sardhana/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikandrabad on 26-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
25--206 CI/80

(1) Shri Chaman Singh s/o Sri Kharak Singh  
r/o Hall Chuaharpur Parg : Dankaur, Post : Kasna,  
Distt : Bulandshahr.

(Transferor)

(2) Surjit Kaur D/o Amar Singh  
r/o Govind Sadan, Gadapur, Post : Mahrauli,  
Delhi-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 231M, Revenue for Rs. 125/-, situated at Vill : Chuaharpur-Khadar, Teh : Sikandrabad, Distt : Bulandshahr which was sold for Rs. 22,500/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 17-7-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th July 1980

Ref. No. 1606-A/Muzaffarnagar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 6-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Ishwar Singh s/o Karmu  
r/o Bhabhisa, Post : Khas, Teh : Budhana and  
present address of Vill : Sher Nagar, Parg : , Teh :  
and Dist : Muzaffarnagar.

(Transferor)

- (2) S/Shri Rajendra Singh, Bijendra Singh, Virendra Singh and Subhash all sons of Latoor Singh r/o Vill : Kookra, Parg : Teh : & Distt : Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing Khasara No. 814 situated at Vill : Sher Nagar, Distt Muzaffarnagar which was sold for Rs. 35,000/-

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Kanpur

Date 18-7-1980

Seal :

## FORM ITNS

- (1) S/Shri H. S. Sarna s/o Sri Balwant Singh  
r/o 161, Bruton street, Meerut Cantt.

(Transferor)

- (2) S/Shri D. S. Nim s/o Chaudhary Karam Singh,  
Rtd. Joint Secretary to the Government of India,  
Ministry of Labour, New Delhi, r/o Flat No. 181,  
Sector III, R. K. Puram, New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th July 1980

Ref. No. 1448-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C.

CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 21-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. B-6, measuring 586.66 Sq Mtrs. situated at Sector No. 12, Chandra Nagar, Ghaziabad which was sold for Rs. 48,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-7-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) S/Shri Hind State Pvt. Ltd., Calcutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 17th July 1980

Ref. No. 1599-A/Kanpur/79-80.—Whereas I, B. C.

CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 28-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) S/Shri Shafi-Ujjama Kurasi r/o 88/333, Chaman Ganj, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 92/1, situated at Hirawan Purwa, Kanpur which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range

Kanpur

Date : 17-7-1980.

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th July 1980

Ref. No. 901/Acq./Jalaun-79-80.—Whereas I, B. C.

CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalaun on 28-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raghuvendra Pratap Singh s/o  
Sri Surendra Pratap Singh r/o Dhanaura, Parg : and  
Distt : Jalaun.

(Transferor)

- (2) S/Shri Shatrughna Singh, Dugvijai Singh and  
Govind Singh (Balig) s/o Darbari Singh and  
Hariballabh Singh (Nabalig) s/o Sri Darbari  
w/o Narayan Singh Advocates s/o Darbari Singh  
r/o Launa, Parg : and Distt : Jalaun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 13.93 Acre, situated at  
Mauja : Padwari, Parg : and Distt : Jalaun.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 26-7-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 5th August 1980

Ref. No. 728/Asq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I,  
I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10A to 10H, 10J to 10N, 10P to 10R, 10/1A to 10/1H, 10/1J to 10/1N and 10/1P to 10/1R situated at Govt. Place East, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 15-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Rani Luxmi Debi and Prabhu Shum Shere Jung Bahadur Rana of Nepal,  
10, Govt. Place East, Calcutta.

(Transferor)

- (2) Institute of Indian Labour,  
2, Jawaharlal Nehru Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the undivided 5/6th share of land admeasuring 2 bighas 1 cottah 10 chittacks together with a four storied building erected thereon at premises Nos. 10A to 10H, 10J to 10N, 10P to 10R, 10/1A to 10/1H, 10/1J to 10/1N and 10/1P to 10/1R, Govt. Place East, Calcutta and registered before the Registrar of Assurances, Calcutta, on 15-11-1979 vide Deed No. 5917 of 1979.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 5-8-1980  
Seal :